PLANET NEWS INDIA

Follow us on:/

निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)

01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■ अलीगढ, शुक्रवार, 4 सितंबर 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

जन्माष्टमी: आज पांच घंटे बंद रहेगा जगन्नाथ मंदिर, क्यों भगवान जगन्नाथ निभाएंगे मां की भूमिका, क्या है परंपरा?

जन्माष्टमी पर पुरी का जगन्नाथ मंदिर करीब पांच घंटे के लिए आम श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए बंद रहेगा। वजह सिर्फ पूजा नहीं, बल्कि भगवान जगन्नाथ से जुड़ी एक खास मान्यता है। परंपरा के अनुसार, भगवान जगन्नाथ श्रीकृष्ण को जन्म देने वाली मातृ भूमिका में होते हैं। आखिर जेउता भोग क्या है? भगवान जगन्नाथ को श्रीकृष्ण की माता के रूप में क्यों पूजा जाता है? आइए, सबकुछ विस्तार से जानते हैं...

ओडिशा के पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में जन्माष्टमी के मौके पर शुक्रवार यानी आज करीब पांच घंटे तक आम श्रद्धालुओं के लिए दर्शन बंद रहेंगे। मंदिर प्रशासन के अनुसार, रात करीब सात बजे से मध्यरात्रि तक सार्वजनिक दर्शन स्थगित रहेगा। इस दौरान मंदिर में भगवान जगन्नाथ से जुड़ी एक खास परंपरा के तहत श्रीकृष्ण जन्म की विशेष पूजा और अनुष्ठान किया जाएगा।

जन्माष्टमी पर भगवान जगन्नाथ से जुड़ी क्या खास मान्यता है?

- पुरी की परंपरा में भगवान जगन्नाथ को भगवान विष्णु के सभी दस अवतारों की जननी के रूप में पूजा जाता है।
- इनमें श्रीकृष्ण, श्रीराम और भगवान बलराम भी शामिल हैं।
- जगन्नाथ संस्कृति के जानकारों के अनुसार, भगवान जगन्नाथ को महाविष्णु और सृष्टि के मूल के रूप में माना जाता है।

इसी मान्यता के कारण मंदिर में भगवान विष्णु के सभी दस अवतारों के जन्मदिन भी मनाए जाते हैं।

श्रीकृष्ण के जन्म से पहले भगवान जगन्नाथ को क्या चढ़ाया जाएगा?

जन्माष्टमी से एक रात पहले भगवान जगन्नाथ को जेउता भोग अर्पित किया जाएगा। इसे खास औषधीय भोजन माना जाता है, जिसका संबंध प्रसव पीड़ा कम करने की परंपरा से जोड़ा जाता है। जगन्नाथ संस्कृति के शोधकर्ता डॉ. भास्कर मिश्रा के अनुसार, श्रीराम नवमी और जन्माष्टमी से एक रात पहले भगवान को यह भोग अर्पित किया जाता है। यह भोग रात में मंदिर के मुख्य द्वार बंद होने से पहले लगाया जाता है।

मंदिर में श्रीकृष्ण जन्म के दौरान क्या होगा?

- जगन्नाथ संस्कृति के जानकार पंडित सूर्यनारायण रथशर्मा के अनुसार, जेउता भोग के बाद भगवान जगन्नाथ की विशेष आरती की जाती है।
- मान्यता के अनुसार, उस समय भगवान जगन्नाथ श्रीकृष्ण को जन्म देने वाली मातृ भूमिका में होते हैं।
- इसी विशेष अनुष्ठान के कारण शुक्रवार रात करीब सात बजे से मध्यरात्रि तक आम श्रद्धालुओं के लिए दर्शन रोक दिए जाएंगे।

इस दौरान मंदिर में कृष्ण जन्म नीति संपन्न की जाएगी।

भगवान जगन्नाथ को पुरुष और स्त्री दोनों रूपों में क्यों माना जाता है?

पुरी के गजपति महाराजा दिव्यसिंह देव के अनुसार, भगवान जगन्नाथ महाविष्णु हैं और उनके सभी अवतारों के सृजनकर्ता माने जाते हैं। उनकी मान्यता में भगवान जगन्नाथ पुरुष और स्त्री दोनों रूपों में पूजनीय हैं तथा उन्हें उस मूल शक्ति के रूप में देखा जाता है, जिससे पूरी सृष्टि का जन्म हुआ। इसी वजह से श्रीकृष्ण सहित भगवान विष्णु के अलग-अलग अवतारों के जन्म से जुड़ी परंपराएं भी जगन्नाथ मंदिर में विशेष महत्व रखती हैं।

जन्माष्टमी के बाद पुरी में कौन सा उत्सव होगा?

श्रीकृष्ण जन्म से जुड़े अनुष्ठान 4 सितंबर को मंदिर में होंगे। इसके अगले दिन 5 सितंबर को नंदोत्सव मनाया जाएगा। इसके साथ ही पारंपरिक कृष्ण लीला से जुड़े अनुष्ठानों की शुरुआत होगी। इस तरह जन्माष्टमी के दौरान कुछ समय के लिए दर्शन बंद रहने के बावजूद मंदिर में धार्मिक गतिविधियां लगातार जारी रहेंगी।

नन्हे कान्हाओं ने जीता दिल, 'कान्हा बनेंगे हमारे नन्हे सितारे–2026' में बच्चों की मनमोहक झलकियां

नन्हे राधा-कृष्ण ने मोहा मन

'कान्हा बनेंगे हमारे नन्हे सितारे–2026' अभियान के तहत **Planet News India** को देशभर से नन्हे राधा-कृष्ण की मनमोहक तस्वीरें प्राप्त हुई हैं। जन्माष्टमी के रंग में सजे इन नन्हे सितारों ने अपनी मासूमियत से सभी का दिल जीत लिया।

Planet News India द्वारा प्राप्त तस्वीरों का चयन एवं सत्यापन किया जा रहा है। चयनित बच्चों को हमारे **Social Media एवं News Network** पर विशेष स्थान दिया जाएगा।

📸 **अभियान में प्राप्त नन्हे सितारों की मनमोहक झलकियां**

मराठा आरक्षण: जरांगे का सरकार को अल्टीमेटम, बोले- 11 सितंबर तक मांगे नहीं मानी तो मुंबई में करेंगे प्रदर्शन

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है। अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल के छठे दिन राज्य सरकार के मंत्री मनोज जरांगे पाटिल से मिलने पहुंचे और आंदोलन खत्म करने की अपील की। सरकार ने कुनबी रिकॉर्ड, प्रमाणपत्र और ओबीसी रियायतों को लेकर कई बड़े आश्वासन दिए। लेकिन जरांगे अपनी मांगों पर अड़े रहे। आइए, विस्तार से जानते हैं कि सरकार ने क्या भरोसा दिया? जरांगे ने 11 सितंबर की समयसीमा क्यों तय की?

मराठा आरक्षण की मांग को लेकर महाराष्ट्र के जालना जिले के अंतरवाली सराटी में मनोज जरांगे पाटिल की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुक्रवार को छठे दिन भी जारी रही। राज्य सरकार का प्रतिनिधिमंडल उनसे मिलने पहुंचा और स्वास्थ्य बिगड़ने का हवाला देते हुए आंदोलन खत्म करने की अपील की। प्रतिनिधिमंडल में मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल, उदय सामंत, मकरंद आबा पाटिल और भाजपा विधायक प्रसाद लाड शामिल थे। दोनों पक्षों के बीच मराठा समुदाय की अलग-अलग मांगों पर विस्तार से बातचीत हुई, लेकिन जरांगे ने भूख हड़ताल खत्म करने से साफ इनकार कर दिया।

सरकार ने कुनबी प्रमाणपत्र को लेकर क्या भरोसा दिया?

- मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने कहा कि पांच सितंबर तक कुनबी रिकॉर्ड ग्राम पंचायतों को उपलब्ध कराने की प्रक्रिया पूरी करने की कोशिश की जा रही है।
- हैदराबाद गजट के आधार पर मराठा समुदाय के पात्र लोगों को प्रमाणपत्र जारी करने की कार्रवाई भी की जाएगी।
- उन्होंने मराठवाड़ा के मराठा समुदाय के लोगों से छह सितंबर से प्रमाणपत्र के लिए आवेदन करने की अपील की।

किसी तरह की परेशानी होने पर संबंधित जिला कलेक्टर के पास आवेदन करने को कहा गया है। हर जिले में नोडल अधिकारी भी नियुक्त किए जाएंगे।

58 लाख कुनबी रिकॉर्ड और 300 करोड़ का क्या मामला है?

सरकार के अनुसार शिंदे समिति अब तक 58 लाख कुनबी रिकॉर्ड खोज चुकी है और इन रिकॉर्ड को आगे की प्रक्रिया में इस्तेमाल किया जा रहा है। विखे पाटिल ने कहा कि ओबीसी रियायतों से जुड़े सरकारी आदेश आठ सितंबर को जारी किए जाएंगे। इसके अलावा मराठा आरक्षण प्रकोष्ठ बनाया जाएगा और अन्नासाहेब पाटिल आर्थिक विकास निगम के लिए 300 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे। विखे पाटिल ने हाथ जोड़कर जरांगे से भूख हड़ताल खत्म करने की अपील भी की और कहा कि सरकार मराठा समुदाय के आंदोलन के साथ है।

जरांगे ने सरकार के आश्वासन पर क्या कहा?

सरकार की ओर से कई आश्वासन मिलने के बावजूद जरांगे अपने रुख से पीछे नहीं हटे। उन्होंने कहा कि जब तक उनकी सभी मांगें पूरी नहीं होतीं, वह अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल खत्म नहीं करेंगे। उन्होंने सरकार को 11 सितंबर तक का समय दिया है। उदय सामंत और भाजपा विधायक प्रसाद लाड ने भी जरांगे से स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण अस्पताल में भर्ती होने और भूख हड़ताल स्थगित करने की अपील की, लेकिन उन्होंने इसे नहीं माना।

11 सितंबर के बाद क्या करेंगे मनोज जरांगे?

जरांगे ने कहा कि अगर सरकार 11 सितंबर तक सभी मांगें लागू कर देती है तो मराठा समुदाय मुंबई में गुलाल लेकर पहुंचेगा। उन्होंने बताया कि मुंबई की ओर आंदोलन के लिए जाने की तारीख 12 सितंबर की बैठक में घोषित की जाएगी। जरांगे ने इसे अपना अंतिम आंदोलन बताते हुए कहा कि अगर सभी मांगें लागू हो गईं तो उन्हें दोबारा आंदोलन करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। फिलहाल सरकार के प्रतिनिधिमंडल की बातचीत बेनतीजा रही और जरांगे ने आंदोलन जारी रखने का फैसला किया है।

अजित पवार की मौत पर परिवार में ही रार: सुप्रिया सुले ने किसे कहा- सत्ता का मजा ले रहे; सुनेत्रा पवार का तंज

अजित पवार की मौत को लेकर उनके परिवार में मतभेद उभर रहे हैं। दरअसल सुप्रिया सुले ने अपने हालिया बयान में आरोप लगाया था कि अजित पवार की मौत के बावजूद एफआईआर दर्ज नहीं की गई और एनसीपी के नेता सत्ता के मजे ले रहे हैं। अब इस पर सुनेत्रा पवार ने पलटवार किया है। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मौत को लेकर उनके ही परिवार में मतभेद उभरते दिखाई दे रहे हैं। राज्य की वर्तमान उपमुख्यमंत्री और दिवंगत अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार के ताजा बयान से ऐसे ही संकेत मिल रहे हैं। दरअसल सुनेत्रा पवार ने विपक्षी नेताओं से अपने पति अजित पवार की मौत का राजनीतिकरण नहीं करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि दिवंगत नेता की मां, बच्चों और उनके दुख को कोई और नहीं समझ सकता। ऐसा माना जा रहा है कि सुनेत्रा पवार ने परोक्ष रूप से सुप्रिया सुले पर तंज कसा है।

सुनेत्रा पवार ने क्या कहा?

तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजित पवार और चार अन्य लोगों की इस साल 28 जनवरी को पुणे जिले के बारामती हवाईअड्डे के पास विमान हादसे में मौत हो गई थी। मौजूदा एनसीपी अध्यक्ष सुनेत्रा पवार ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'सम्माननीय अजित दादा के निधन से महाराष्ट्र में जो शून्य पैदा हुआ है, वह बहुत बड़ा है। उनकी मां, उनके बच्चों और मेरे अलावा उस दर्द को कौन बेहतर समझ सकता है? इसलिए अजित दादा के साथ हुए हादसे का राजनीतिकरण न करें।'उन्होंने कहा कि परिवार और अन्य संबंधित लोग हादसे के बाद ठोस निर्णय चाहते थे और इस दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। डिप्टी सीएम ने कहा, 'हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से पहले ही मिल चुके हैं। सभी इससे अवगत हैं। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में वादा किया है और उसे पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।'

- डिप्टी सीएम बोलीं- उन्हें कानून पर पूरा भरोसाउपमुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें कानून और संविधान पर भरोसा है। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियां अपना काम कर रही हैं और उन्हें इसके लिए समय दिया जाना चाहिए।
-
- सुनेत्रा पवार ने कहा, 'लगातार मीडिया के सामने आने का मतलब यह नहीं है कि जांच के बारे में कोई अपडेट मिल रहा है। यह संदेह पैदा होता है कि क्या बार-बार मीडिया ट्रायल किया जा रहा है।'
- उन्होंने इस मामले पर टिप्पणी करने वाले सभी लोगों से अजित पवार की मां, बच्चों और उनके खुद के दुख पर विचार करने की अपील की। उन्होंने कहा, 'सभी को यह सोचना चाहिए कि अजित दादा की मां, उनके बच्चों और मुझसे ज्यादा इस घटना से आहत कौन हो सकता है।'

सुप्रिया सुले ने कहा था- हमारा भाई चला गया और वे सत्ता का आनंद ले रहे

सुनेत्रा पवार की यह टिप्पणी एनसीपी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले द्वारा हादसे के बाद एनसीपी पर सत्ता का आनंद लेने का आरोप लगाए जाने के एक दिन बाद आई है। सुले ने बुधवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था, 'मेरे भाई (उनके चचेरे भाई अजित पवार) की मौत के मामले में एफआईआर क्यों दर्ज नहीं की गई? हमने अपने परिवार के एक प्रमुख सदस्य को खो दिया। एनसीपी (अजित पवार गुट) मौजूदा सरकार का हिस्सा है। क्या उनके 40 विधायकों या आठ-नौ मंत्रियों में से किसी ने कभी मेरे भाई की मौत के मामले में एफआईआर या उचित जांच की मांग को लेकर एक शब्द भी कहा है? हमारा भाई चला गया और वे सत्ता का आनंद ले रहे हैं।'

अलीगढ़: कैफियत एक्सप्रेस में सो रही बच्ची, पास लेट गया और करने लगा छेड़छाड़, यात्रियों ने दबोच जीआरपी को सौंपा

इस वर्ष ट्रेन में नाबालिग से छेड़छाड़ की अब तक दो एफआईआर अलीगढ़ जीआरपी थाने में दर्ज हो चुकी हैं। इससे पहले 14 अगस्त 2026 को देहरादून एक्सप्रेस में नाबालिग से छेड़छाड़ करने पर आरोपी को जीआरपी ने गिरफ्तार किया था। आजमगढ़ से दिल्ली जा रही कैफियत एक्सप्रेस में मां व भाइयों के साथ यात्रा कर रही नौ वर्षीय एक बच्ची के साथ पेंट्रीकार के एक वेंडर ने छेड़छाड़ की। बच्ची के चीखने-चिल्लाने पर आरोपी भागने लगा लेकिन अन्य यात्रियों ने उसे दबोच कर जीआरपी सुरक्षा दस्ते के हवाले कर दिया। बच्ची की मां की शिकायत पर अलीगढ़ जीआरपी थाने में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। जीआरपी के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार द्विवेदी के अनुसार, आजमगढ़ की रहने वाली एक महिला जनपद बुलंदशहर में स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत हैं। वह रक्षाबंधन पर बच्चों के साथ अपने पैतृक घर गई थीं। वापसी में वह अपने दो बेटों व एक नौ वर्षीय बेटी के साथ ट्रेन संख्या 12225 कैफियत एक्सप्रेस में कोच संख्या एस-03 में अलीगढ़ स्टेशन तक सफर कर रही थीं। महिला रात में एक बेटे के साथ एक बर्थ पर थीं जबकि बेटी दूसरे बेटे के साथ दूसरी बर्थ पर सो रही थी। ट्रेन रात करीब तीन बजे इटावा स्टेशन से आगे बढ़ी। आरोप है कि ट्रेन की पेंट्रीकार में कार्यरत वेंडर अलीगढ़ के थाना गांधीपार्क, नौरंगाबाद छावनी निवासी विशाल चौहान ने बच्ची को अकेला देखा। वह बच्ची के पास लेट गया और छेड़छाड़ करने लगा। बच्ची की आंख खुली तो उसने विरोध करते हुए शोर मचाया। आसपास के यात्री व ऊपर की बर्थ पर सो रही मां की आंख खुल गई। इस पर आरोपी वेंडर वहां से भागने लगा मगर अन्य यात्रियों ने उसे पकड़ लिया। जीआरपी एस्कॉर्ट ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। मां ने तुरंत ही घटना की सूचना महिला हेल्पलाइन नंबर 1090 पर भी दे दी। ट्रेन के अलीगढ़ स्टेशन पहुंचने पर आरोपी को नीचे उतार लिया गया। पीड़ित बच्ची की मां की तहरीर पर आरोपी विशाल चौहान के खिलाफ छेड़छाड़ व पॉक्सो एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई है।

ट्रेन में छेड़छाड़ के मामले

इस वर्ष ट्रेन में नाबालिग से छेड़छाड़ की अब तक दो एफआईआर अलीगढ़ जीआरपी थाने में दर्ज हो चुकी हैं। इससे पहले 14 अगस्त 2026 को देहरादून एक्सप्रेस में नाबालिग से छेड़छाड़ करने पर आरोपी को जीआरपी ने गिरफ्तार किया था। वर्ष 2025 में भी ट्रेन में छेड़छाड़ का एक मामला अलीगढ़ जीआरपी थाने में दर्ज हुआ था।

यूपी: कृष्ण जन्माष्टमी पर सीएम योगी का ब्रजवासियों से बड़ा वादा

आपकी भावनाओं के अनुरूप बदलेंगे पूरा ब्रज

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर मथुरा पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ब्रज को लोगों की भावनाओं के अनुरूप विकसित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि मथुरा, नंदगांव, बरसाना, गोवर्धन और वृंदावन का विकास श्रद्धालुओं की आस्था और भावनाओं के अनुसार किया जाएगा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री करीब 30 मिनट तक जन्मस्थान परिसर में रहे। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यहां श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपकी भावनाओं के अनुरूप पूरे ब्रज को बदलने में विकसित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने यहां श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपकी भावनाओं के अनुरूप पूरे ब्रज को बदलने में विकसित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। चाहे मथुरा हो नंदगांव हो बरसाना हो गोवर्धन हो या वृंदावन सब आपकी भावनाओं के अनुसार विकसित होगा। मैंने बैठक लेकर भी यह बात सभी के सामने स्पष्ट कर दी है। उन्होंने कहा कि है इसलिए होगा क्योंकि यह सरकार तो भगवान राम, कृष्ण कन्हैया, बाबा विश्वनाथ मां विंध्यवासिनी पर विश्वास करती है

होमगार्ड भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा अब 14 सितंबर से

भारी बारिश के चलते बदली परीक्षा की तारीख

भारी बारिश के कारण प्रदेश में होमगार्ड भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा की तारीख बदल दी गई है। अब परीक्षा 14 सितंबर से आयोजित होगी। पहले यह आठ सितंबर से प्रस्तावित थी। अभ्यर्थियों के संशोधित प्रवेश पत्र सात सितंबर को जारी होंगे। पुराने प्रवेश पत्र स्वतः निरस्त माने जाएंगे और अभ्यर्थियों को नए प्रवेश पत्र के अनुसार परीक्षा केंद्र पर पहुंचना होगा। प्रदेश में भारी बारिश को देखते हुए पुलिस भर्ती बोर्ड ने होमगार्ड भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) की तारीख में बदलाव किया है। अब परीक्षा 14 सितंबर से कराई जाएगी। पहले इसे आठ सितंबर से आयोजित किया जाना था।बोर्ड के परीक्षा नियंत्रक के मुताबिक अभ्यर्थियों की सुविधा एवं सुरक्षा, परीक्षा की निष्पक्षता और प्रक्रिया के सुचारु संचालन को ध्यान में रखते हुए परीक्षा की तारीख संशोधित की गई है। संशोधित परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र सात सितंबर को बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिए जाएंगे। पूर्व में जारी किए गए प्रवेश पत्र स्वतः निरस्त माने जाएंगे। अभ्यर्थियों को बोर्ड की वेबसाइट uppbpb.gov.in पर उपलब्ध लिंक से अपना संशोधित प्रवेश पत्र डाउनलोड करना होगा। इसके बाद प्रवेश पत्र में अंकित परीक्षा केंद्र पर निर्धारित तिथि और समय पर पहुंचना सुनिश्चित करना होगा।

यूपी: बारिश और बाढ़ की चपेट में प्रदेश,

Weather in UP: यूपी में बाढ़ और बारिश का असर जारी है। मौसम विभाग के अनुसार आज भी कई जिलों में भारी बारिश हो सकती है।

अवध क्षेत्र में भी सरयू, शारदा और सई नदियों का जलस्तर बढ़ा है। बाराबंकी में सरयू नदी का जलस्तर खतरे के निशान से दस सेमी ऊपर है। गोंडा के करनैलगंज में भी सरयू में 3.18 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने से बाढ़ का खतरा बढ़ा है। रायबरेली में सई नदी में भी पानी बढ़ा है। सीतापुर में शारदा का पानी बढ़ने से रामपुर मथुरा और रेउसा में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। बहराइच में सरयू में 3.18 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद नौ गांव बाढ़ से घिर गए हैं। महसी का मौरहवा गांव कटान के मुहाने पर है। श्रावस्ती में राप्ती नदी ने कटान तेज कर दी है। अंबेडकरनगर में सरयू का जलस्तर बीते चौबीस घंटे में इक्कीस सेमी बढ़ा है। अमेठी में लगातार बारिश से गोमती नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है।

प्रदेश में हो रही बारिश से नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। मध्य प्रदेश व पहाड़ी इलाकों में लगातार बारिश से चित्रकूट व आसपास के जिलों में उफनाई मंदाकिनी का जलस्तर खतरे के निशान के नीचे आने के बाद फिर ढाई मीटर ऊपर पहुंच गया। इससे 36 गांव प्रभावित हैं। प्रयागराज में भी गंगा व यमुना नदियों के जल स्तर में वृद्धि दर्ज की गई है। लखीमपुर खीरी में शारदा नदी भी खतरे के निशान से 32 सेंटीमीटर ऊपर बह रही थी। वहीं, बारिश से मकान व दीवार गिरने से प्रदेश में 15 लोगों की मौत हुई है। सीएम योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को फर्रुखाबाद के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का हवाई सर्वे करेंगे।चित्रकूट में लगातार तेज बारिश और बाढ़ के हालात को देखते हुए जिला प्रशासन ने तीन सितंबर को कक्षा 12 तक के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित किया है। भारी बारिश की चेतावनी को देखते हुए वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र और बलिया में भी प्रशासन ने बृहस्पतिवार को स्कूलों में अवकाश घोषित किया है।

इन जिलों में हुई मौतें

दीवार गिरने से बांदा में तीन, मिर्जापुर और अमरोहा में दो-दो लोगों की मौत हुई है। फतेहपुर, हरदोई, वाराणसी, प्रतापगढ़ व प्रयागराज में एक-एक मौत हुई है। अमेठी, सीतापुर व रायबरेली में एक-एक मौत हुई है

150 लोगों को सुरक्षित निकाला

चित्रकूट में मंदाकिनी नदी में अचानक आई बाढ़ के बीच पीएसी और प्रशासन की टीम ने करीब 150 लोगों को सुरक्षित निकाला है। प्रभावित लोगों को भोजन और राहत सामग्री देने के साथ मेडिकल जांच भी कराई गई। राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक प्रदेश में अब तक 32 जिले बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। इनमें 22 जिलों में बाढ़ का असर ज्यादा है।

17 करोड़ के नकली नोट: कई महीने से चल रहा था

जाली नोटों का खेल, आरोपियों ने छापे 3.40 लाख; एक और नया खुलासा

सहारनपुर में पीएनबी की करेंसी चेस्ट में जाली नोट रखने की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे खुलासे होते जा रहे हैं। अब सामने आया है कि कई महीनों से जाली नोटों का खेल चल रहा था। आरोपियों ने 3.40 लाख जाली नोट तैयार किए। करेंसी चेस्ट में जाली नोट के मिलने का मामला सामने आने पर हर कोई हैरान हैसहारनपुर में पीएनबी की करेंसी चेस्ट में जाली नोट रखने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। चेस्ट में जाली नोट रखे जाने का खेल कई माह से चल रहा था।

प्राथमिक जांच में आया कि एक-दूसरे के साथ मिलीभगत कर आरोपी पिछले कई माह से जाली नोटों की अदला-बदली में लगे हुए थे। अभी तक 17 करोड़ के जाली नोट मिले हैं, जो 500-500 के नोट हैं। यानी कि आरोपियों ने 3.40 लाख जाली नोट तैयार किए। करेंसी चेस्ट में जाली नोट के मिलने का मामला सामने आने पर हर कोई हैरान है। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था में सेंधमारी पर भी तरह-तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं। जांच में अभी तक 17 करोड़ रुपये के जाली नोट पकड़े गए हैं। खास बात है कि पकड़े गए सभी नोट 500 रुपये मूल्य के हैं। 17 करोड़ रुपये के नोट छापने के लिए कुल 3,40,000 नोट छापे गए। इतनी बड़ी संख्या में नोट छापना और उन्हें असली नोट के बदले करेंसी चेस्ट में रखना सप्ताह या दस दिनों की बात नहीं है। माना जा रहा है कि यह खेल कई महीनों से चल रहा था, जिसकी भनक तक भी किसी अधिकारी को नहीं लग सकी।बताया जा रहा है कि करेंसी चेस्ट में जमा नोट सर्कुलेशन में नहीं आए थे। यदि नोट सर्कुलेशन में आते तो इसकी जानकारी पहले ही लग जाती। आरोपियों ने बड़ी सफाई से इस पूरे खेल को अंजाम दिया। करेंसी चेस्ट में जो भी बंडल आए, उन्हें बड़ी सफाई से चेस्ट में व्यवस्थित किया गया।आरोपियों ने इस बात का भी ध्यान रखा कि यदि चेस्ट से बंडलों को बैंक, एटीएम में जमा कराने के लिए भेजना भी पड़े तो एकदम से ही फर्जी नोटों वाले बंडल न चले जाएं। अभी तक की जांच में यह सामने भी आ चुका है कि स्ट्रांग रूम में रखी शुरुआती रैक में कोई भी जाली नोट नहीं मिला था। बाद वाली रैक में ही जाली नोटों की गड्डियां रखी गई थीं। आरोपियों के इतने शातिराना अंदाज से माना जा रहा है कि इस खेल की फूल प्रूफ प्लानिंग की गई थी।

प्रयोगशाला भी भेजे जा सकते हैं कुछ नोट

फर्जी पाए गए नोटों के आगे की जांच के लिए उन्हें विधि प्रयोगशाला भी जा सकता है। प्रयोगशाला में विशेषज्ञों द्वारा नोटों में इस्तेमाल कागज, स्याही, वॉटरमार्क और सुरक्षा धागे आदि की बारीकी से जांच की जाती है। माना जा रहा है कि मिले जाली नोट में से कुछ को प्रयोगशाला में भेजा जा सकता है। इससे स्थिति और भी स्पष्ट हो सकेगी।

दिल्ली में मर्डर: नरेला में प्रॉपर्टी डीलर को मारी गोली,

जिम के बाहर वारदात को दिया अंजाम; लोगों का हंगामा

नरेला इलाके में आज सुबह एक जिम के बाहर प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची।नरेला के बांकनेर गांव में बृहस्पतिवार सुबह एक जिम के बाहर प्रॉपर्टी डीलर की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की शिनाख्त हरियाणा के राई विधानसभा क्षेत्र के नहरिया गांव निवासी प्रमोद कुमार के रूप में हुई है। सुबह में वह गांव से जिम करने के लिए आए थे। शुरुआती जांच में पता चला है कि कई दिन से बदमाश उन्हें रंगदारी के लिए धमका रहे थे।पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद से मृतक के रिश्तेदार और दोस्त हंगामा कर रहे हैं।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रमोद कुमार का मुकुल प्रॉपर्टी के नाम से कार्यालय है और गांव में उनका एक बैंक्वेट हाल है। सुबह करीब छह बजे जिम आए थे। जैसे ही वह वहां से बाहर निकले तभी बाइक सवार हमलावरों ने उनपर ताबड़तोड़ गोलीबारी कर दी।गंभीर रूप से घायल प्रमोद को पास के अस्पताल में ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला कि मृतक को पिछले कुछ दिनों से रंगदारी मांगी जा रही थी और उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई थी। इसके बाद वह नरेला के एक दोस्त की बुलेटप्रूफ गाड़ी से चल रहे थे। पुलिस ने मौके से साक्ष्य हासिल किए हैं। साथ ही आस पास की सीसीटीवी कैमरे को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

लखनऊ: हजरतगंज मेट्रो स्टेशन पर आज सजेगा राधा-

कृष्ण का दरबार, मौके पर भी करा सकेंगे पंजीकरण; जानिए इसके नियम

उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले इस कार्यक्रम के लिए सुबह 10:30 बजे से मौके पर ही पंजीकरण भी हो सकेगा।

कृष्ण जन्माष्टमी के उल्लास के बीच हजरतगंज मेट्रो स्टेशन पर बृहस्पतिवार को ''''घर-घर कान्हा-राधा''''' आयोजन में बृहस्पतिवार को नन्हे-मुन्ने राधा-कृष्ण के रूप में नजर आएंगे। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले इस कार्यक्रम के लिए सुबह 10:30 बजे से मौके पर ही पंजीकरण भी हो सकेगा। मुख्य आयोजन सुबह 11:30 बजे से होगा।

दो आयु वर्ग में होंगे प्रतिभागी

प्रतियोगिता दो वर्गों में होगी। पहले वर्ग में तीन वर्ष तक के बच्चे हिस्सा लेंगे। दूसरे वर्ग में तीन वर्ष से अधिक से लेकर सात वर्ष तक के बच्चे हिस्सा ले सकेंगे। बच्चों को घर से राधा या कृष्ण के रूप में तैयार करके लाना होगा। दो बच्चों को राधा-कृष्ण की जोड़ी के रूप में भी शामिल किया जा सकता है। मित्र, पड़ोसी या रिश्तेदार के बच्चों के साथ भी जोड़ी बनाई जा सकती है। एक बच्चा होने पर आयोजन स्थल पर ही आपसी सहमति से जोड़ी बनाई जा सकेगी।

प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाली पांच राधा-कृष्ण जोड़ियों के साथ पांच कृष्ण और पांच राधाओं को अलग-अलग पुरस्कृत किया जाएगा। निर्णायक मंडल परिधान, साज-शृंगार और बच्चों की अभिव्यक्ति के आधार पर चयन करेगा।

मेट्रो के गेट नंबर-1 से होगा प्रवेश

कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पंजीकरण अनिवार्य है। जिन लोगों ने पहले पंजीकरण नहीं कराया है, वे आयोजन स्थल पर भी पंजीकरण करा सकेंगे। प्रतिभागियों को हजरतगंज मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 (रॉयल कैफे की ओर) से प्रवेश करना होगा।

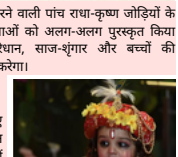

अमेरिका: जन्मसिद्ध नागरिकता पर ट्रंप को बड़ा झटका, जज ने नया आदेश रोका; सुप्रीम कोर्ट के फैसले का दिया हवाला

अमेरिका में जन्मसिद्ध नागरिकता को सीमित करने की ट्रंप की नई कोशिश को संघीय जज ने रोक दिया। जज डेबोरा बोर्डमैन ने सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसले का हवाला दिया। आखिर ट्रंप के आदेश में क्या था और परिवारों को किस बात का डर था? आइए, जानते हैं...अमेरिका में जन्मसिद्ध नागरिकता को सीमित करने की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई कोशिश को बड़ा झटका लगा है। मैरीलैंड की संघीय जज डेबोरा एल. बोर्डमैन ने ट्रंप प्रशासन के नए कार्यकारी आदेश पर रोक लगाते हुए प्रारंभिक निषेधाज्ञा जारी की है। जज ने यह रोक उस समय लगाई जब अप्रवासी परिवारों और अधिकार समूहों की ओर से दायर क्लास-एक्शन मुकदमे पर सुनवाई चल रही है। बोर्डमैन ने अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट के पिछले फैसले का हवाला देते हुए कहा कि संबंधित श्रेणी में आने वाले बच्चे जन्म के समय अमेरिकी नागरिक हैं। हालांकि व्हाइट हाउस की ओर से इस मामले पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई।

क्या है जन्मसिद्ध नागरिकता का नियम?

मौजूदा अमेरिकी कानून के तहत अमेरिका की जमीन पर जन्म लेने वाले अधिकांश बच्चों को जन्म से ही अमेरिकी नागरिकता मिलती है। इसके कुछ अपवाद हैं। इस व्यवस्था की कानूनी नींव 1868 में 14वें संविधान संशोधन के लागू होने के बाद पड़ी थी। ट्रंप लंबे समय से जन्मसिद्ध नागरिकता खत्म करने की मांग करते रहे हैं। इससे पहले उन्होंने ऐसा कार्यकारी आदेश जारी किया था, जिसमें अमेरिका में अवैध रूप से या अस्थायी स्थिति में रह रहे लोगों के बच्चों को अमेरिकी नागरिकता देने पर रोक लगाने की कोशिश की गई थी। जून में सुप्रीम कोर्ट ने उस प्रयास को खारिज कर दिया था।

नए आदेश में किन लोगों को निशाना बनाया गया?

अगस्त में ट्रंप प्रशासन ने एक नया और सीमित दायरे वाला कार्यकारी आदेश जारी किया। इसमें कुछ खास परिस्थितियों में जन्मे बच्चों की स्वतः नागरिकता पर रोक लगाने की कोशिश की गई थी। इसमें ऐसे बच्चों का जिक्र था जिनके माता-पिता का संबंध विदेशी दूतावासों या संगठनों से हो अथवा जिन्हें अमेरिका का 'विदेशी दुश्मन' माना जाए। आदेश में 'बर्थ टूरिज्म' की भी बात की गई थी। इसका मतलब ऐसे व्यक्ति से है जो अमेरिका में बच्चे को जन्म देने के उद्देश्य से गैर-आप्रवासी वीजा पर देश में प्रवेश करता है। अमेरिकी नियमों में पहले से ही ऐसी स्थिति को वीजा संबंधी कार्रवाई का आधार माना जा सकता है, यदि किसी व्यक्ति ने विशेष रूप से बच्चे को अमेरिकी नागरिकता दिलाने के उद्देश्य से वीजा हासिल किया हो।

परिवारों को किस बात का डर था?

नए आदेश को चुनौती देने वाले परिवारों और संगठनों ने अदालत में कहा कि इसके कारण कई परिवारों में असमंजस और डर पैदा हुआ। कुछ परिवारों को आशंका थी कि उनके बच्चों को केवल इसलिए नागरिकता से वंचित किया जा सकता है क्योंकि उन्होंने अमेरिका आने के लिए हवाई टिकट खरीदा और वहां पहुंचने के बाद गर्भधारण हुआ। याचिकाकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि कार्यकारी शाखा किसी व्यक्ति को 'विदेशी दुश्मन' मानने के लिए व्यापक नजरिया अपना रही है और कुछ मामलों में अनुमान या गलत जानकारी पर भी निर्भर किया जा सकता है। कुछ परिवारों ने चिंता जताई कि उनके बच्चों की नागरिकता इसलिए प्रभावित हो सकती है क्योंकि उनके विस्तारित परिवार का कोई सदस्य अपने देश में किसी गिरोह से जुड़ा था, जबकि माता-पिता खुद किसी गिरोह के सदस्य नहीं थे।

जज ने प्रशासन की दलील क्यों खारिज की?

ट्रंप प्रशासन के वकीलों ने अदालत से कहा कि आदेश को रोकने की मांग अभी समय से पहले है। उनका तर्क था कि इसे लागू करने वाली संघीय एजेंसियां अभी जारी नहीं हुई आधिकारिक गाइडलाइन के आधार पर उचित तरीके से कार्रवाई करेंगी। जज बोर्डमैन ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि गाइडलाइन चाहे कुछ भी कहे, 2026 का कार्यकारी आदेश एजेंसियों को बच्चों की कई व्यापक श्रेणियों को नागरिकता संबंधी दस्तावेज देने से रोकने का निर्देश देता है।

विदेश के समाचार: अमेरिका के वर्जीनिया के प्राथमिक स्कूल में गोलीबारी, एक वयस्क घायल; सभी बच्चे सुरक्षित

अमेरिका के वर्जीनिया राज्य के एक प्राथमिक स्कूल में बुधवार सुबह हुई गोलीबारी में एक वयस्क घायल हो गया। घटनास्थल पर पहुंचे एक अधिकारी ने बताया कि इस घटना में कोई बच्चा घायल नहीं हुआ है। वायनेसबोरो सिटी काउंसिल के सदस्य जिम वुड ने फोन पर बताया कि यह घटना अलग-थलग थी और गोली चलाने वाला अब कोई खतरा नहीं है। वुड के निर्वाचन क्षेत्र में वेस्टवुड हिल्स एलीमेंट्री स्कूल आता है। उन्होंने संदिग्ध की स्थिति के बारे में अधिक जानकारी देने से इनकार किया। वुड ने कहा, "यह दो लोगों के बीच हुई घटना है।" वह बुधवार सुबह पास में आयोजित एक कार्यक्रम में मौजूद थे और सूचना मिलने के बाद घटनास्थल पर पहुंचे। इसके बाद वह एक चर्च गए, जहां उन्होंने बताया कि बच्चों को उनके परिवारों से मिलवाया जा रहा था। वुड ने कहा कि घायल वयस्क को अस्पताल ले जाया गया है और उसकी चोटें जानलेवा नहीं हैं। वर्जीनिया राज्य पुलिस की प्रवक्ता रॉबिन लॉसन ने भी पुष्टि की कि शुरुआती जानकारी के अनुसार एक वयस्क घायल हुआ है और किसी बच्चे को नुकसान नहीं पहुंचा है। वायनेसबोरो पुलिस ने अभी तक गोलीबारी के संबंध में विस्तृत बयान जारी नहीं किया है। हालांकि, लॉसन ने कहा कि बुधवार दोपहर तक पुलिस की ओर से बयान जारी किया जाएगा। वुड ने कहा कि वह संदिग्ध की पहचान नहीं बता सकते और यह भी पुष्टि नहीं कर सकते कि उसका घायल व्यक्ति से कोई संबंध था या नहीं।

हमले से रूस पर भड़का जर्मनी, राजनयिक तलब

जर्मनी ने पिछले महीने लीपजिग एयरपोर्ट पर हुए ड्रोन हमले के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया है। इसके जवाब में बर्लिन ने एक रूसी वाणिज्य दूतावास और सांस्कृतिक केंद्र को बंद करने का आदेश दिया है। जर्मन सरकार का कहना है कि वह रूस की किसी भी जवाबी कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार है, पर मास्को के ये हाइब्रिड हमले अपने राजनीतिक उद्देश्यों में सफल नहीं होंगे। इस बीच रूसी विदेश मंत्रालय ने मास्को में जर्मनी के कार्यवाहक राजदूत को तलब किया है। बुधवार देर रात जर्मनी के दक्षिणी शहर आग्सबर्ग में रेलवे स्टेशन के पास अज्ञात वस्तु में हुए धमाके में दो यूक्रेनी नागरिक घायल हो गए।

जमीन के 1.6 किलोमीटर नीचे मिला अदृश्य कण, डार्क मैटर की खोज में जुटे वैज्ञानिकों को मिला अहम सिग्नल

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में डार्क मैटर की खोज भौतिकविदों ने अमेरिका के साउथ डकोटा में जमीन से करीब 1.6 किलोमीटर (1 मील) नीचे एक बेहद दुर्लभ और रहस्यमयी 'अदृश्य कण' की टक्कर को रिकॉर्ड किया है। यह प्रयोग अमेरिका के साउथ डकोटा की एक पुरानी सोने की खदान में बने एक कक्ष में चल रहा है। डिटेक्टर मशीन का नाम लुक्स जेपलिन है, जिसे दुनिया का सबसे संवेदनशील डार्क मैटर डिटेक्टर माना जाता है। इस महा-डिटेक्टर के मुख्य टैंक में 7 टन (कुल क्षमता लगभग 10 टन) अत्यधिक शुद्ध लिक्विड जेनॉन गैस को माइनस 108 डिग्री सेल्सियस पर जमाकर रखा गया है। डार्क मैटर के कणों को डब्लूआईएमपी (वीकली इंटरेक्टिंग मैसिव पार्टिकल्स) कहा जाता है। ये कण सामान्य पदार्थ (जैसे इंसानों, दीवारों या ग्रहों) के आर-पार बिना छुए निकल जाते हैं, लेकिन इस प्रयोग के दौरान एक अनोखी घटना दर्ज की गई।

पिघलेंगे ग्लेशियर, डूबेंगे शहर: यूएन ने चेताया- पेरिस समझौते में तय 1.5 डिग्री की सीमा पार; कैसे रुकेगी तबाही?

संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट ने जलवायु संकट की गंभीरता को लेकर चेतावनी दी है। मौजूदा रुझानों के कारण वैश्विक तापमान में और वृद्धि की आशंका है, जिसका असर बर्फीले क्षेत्रों से लेकर समुद्र किनारे बसे शहरों तक दिखाई देगा। तापमान बढ़ने के साथ समुद्र का स्तर ऊपर जाने, खाद्य उत्पादन घटने और प्राकृतिक तंत्रों को नुकसान पहुंचने का जोखिम बढ़ेगा। आने वाले समय में धरती का तापमान कम से कम 1.8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ना तय है। अगर तापमान इस स्तर तक पहुंचता है, तो भारी मात्रा में ग्लेशियर पिघलेंगे, समुद्र का जलस्तर बढ़ेगा और दुनिया भर के तटीय शहरों तथा इंसानी जीवन पर हाहाकार मच जाएगा। अब तापमान साल 2015 के पेरिस समझौते में तय किए गए 1.5 डिग्री सेल्सियस के सुरक्षित दायरे से कहीं आगे निकल चुका है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की एक नई रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, तापमान में होने वाली हर एक अतिरिक्त वृद्धि चरम मौसम, ग्लेशियरों के पिघलने, पारिस्थितिकी तंत्र के नुकसान और तटीय शहरों के डूबने के खतरे को और खतरनाक रूप से बढ़ा देगी। यूएन की पहले जारी अन्य रिपोर्टों में भी चेताया जा रहा था कि अगर तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से ऊपर गया, तो परिणाम अच्छे नहीं होंगे।

- **ग्लेशियरों के पिघलने का खतरा और समुद्र का बढ़ता जलस्तर**

अगर धरती का तापमान औद्योगिक क्रांति से पहले के मुकाबले 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया, तो साल 2100 तक एक चौथाई से ज्यादा ग्लेशियर पिघल जाएंगे। इससे समुद्र का जलस्तर 13 सेंटीमीटर तक ऊपर आ जाएगा। अगर हालात ऐसे ही रहे, तो 2050 तक वैश्विक खाद्य उत्पादन में 14 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है।

अभी भी तापमान के घटने की उम्मीद

रिपोर्ट के अनुसार, इस सदी में औसत वैश्विक तापमान को वापस 1.5 डिग्री सेल्सियस पर तभी लाया जा सकता है जब तापमान लगभग 1.8 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहे। साथ ही नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य को छोड़ना संभव नहीं है और जीवाश्म ईंधनों के उपयोग को रोकने के साथ-साथ वनों के विस्तार जैसे कार्बन अवशोषण के उपाय भी करने होंगे।

मानव स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और अर्थव्यवस्था को भी गंभीर नुकसान

बढ़ते तापमान से मानव स्वास्थ्य, जल आपूर्ति, बुनियादी ढांचा और अर्थव्यवस्थाएं भी गंभीर रूप से प्रभावित होंगी और कई नुकसान पूरी तरह अपरिवर्तनीय होंगे। इस संकट से बचने का एकमात्र रास्ता यह है कि तापमान में पहले कुछ समय के लिए भले ही बढ़ोतरी हो जाए, लेकिन फिर हम मिलकर प्रदूषण को इस हद तक घटाएं कि तापमान अपने चरम (सबसे ऊपरी स्तर) पर पहुंचकर वापस नीचे आ जाए। इसके लिए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में तत्काल और भारी कटौती के साथ-साथ वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को हटाने के कड़े उपायों की आवश्यकता है।

नई नीतियों की सख्त जरूरत : विशेषज्ञ

प्रशांत महासागर के युवा जलवायु कार्यकर्ताओं की ओर से बोलते हुए विशाल प्रसाद ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत एक कानूनी जिम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा कि 1.5 डिग्री की सीमा में रहना कोई विकल्प नहीं, बल्कि कानूनी अनिवार्यता है, इसलिए जीवाश्म ईंधन के विस्तार को तुरंत रोकना ही होगा। वहीं, इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) की सह-अध्यक्ष प्रो. डेबरा रॉबर्ट्स ने कहा कि जलवायु से निपटने के हमारे पुराने तरीके अब काम नहीं आएंगे। हमें अपनी नीतियों और व्यवस्थाओं को पूरी तरह से बदलना होगा।

जेनॉन से टकराया अदृश्य कण

वैज्ञानिकों के प्रयोग के दौरान एक रहस्यमयी अदृश्य कण सीधे आकर जेनॉन के एक परमाणु के नाभिक (न्यूक्लियस) से टकराया। इसी दौरान रोशनी की एक हल्की सी चमक और इलेक्ट्रॉनों की बौछार पैदा हुई, जिसे वहां लगे सुपर-सेंसिटिव कैमरों ने पकड़ लिया। डार्क मैटर ब्रह्मांड के कुल हिस्से का लगभग 27 प्रतिशत है, लेकिन आज तक इसे सीधे कभी देखा या पकड़ा नहीं जा सका है।

खून को भी अब जवान बनाएगी दवा, दूर होगा बुढ़ापा

बिना खून बदले बुढ़ापे की रफ्तार थामने का दावा किया गया है। अमेरिकी स्टार्टअप जनरेशन लैब का कहना है कि उसके 1 जेनरेशन इंजेक्शन में दो पहले से स्वीकृत दवाओं का मिश्रण है। यह खून में उम्र बढ़ने से जुड़े कारकों को निष्क्रिय कर कोशिकाओं की मरम्मत में मदद कर सकता है। कंपनी अब 100 से ज्यादा लोगों पर इसका परीक्षण करने की तैयारी में है। इंजेक्शन लेने वाले कुछ लोगों ने मानसिक स्पष्टता, ऊर्जा, आंखों की रोशनी और जोड़ों के दर्द में सुधार महसूस होने का दावा किया है। कंपनी ने इंजेक्शन में इस्तेमाल दोनों दवाओं के नाम भी अभी गुप्त रखे हैं। इस शोध के पीछे वैज्ञानिक इरिना कॉनबॉय का वर्षों पुराना काम है। 2005 में उनके चूहों पर प्रयोग में जवान रक्त के संपर्क से बूढ़े चूहों के कुछ ऊतकों में सुधार देखा गया था। बाद के प्रयोगों में जवान खून के बिना भी बूढ़े प्लाज्मा में बदलाव से ऐसे प्रभाव मिले।

इंसानी परीक्षण पर विशेषज्ञों की नजर : विशेषज्ञों की नजर अब इंसानी परीक्षण पर है। अभी यह साबित नहीं हुआ है कि इंजेक्शन इंसानों में बुढ़ापा रोक सकता है या लंबे समय तक सुरक्षित है। एजेंसीक्यों खास है प्रयोग बुढ़ापे का कारण सिर्फ उम्र नहीं, बल्कि खून में बदलता रासायनिक वातावरण भी हो सकता है। इसी विचार पर यह उपचार विकसित किया जा रहा है। इंजेक्शन में कौन-सी दो दवाएं हैं, यह अभी सार्वजनिक नहीं है। बड़े नियंत्रित परीक्षण और वैज्ञानिक समीक्षा के बाद ही इसके असर का पता चलेगा।

मुस्लिम नाटो में शामिल होने के करीब ढाका: ऑपरेशन सिंदूर से बेचैन पाकिस्तान की नई चाल; भारत की बढ़ेगी चिंता?

बांग्लादेश के मक्का रक्षा गठबंधन में शामिल होने के संकेतों के बीच पाकिस्तान से उसकी नजदीकी तेजी से बढ़ी है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों देशों के सैन्य और सुरक्षा संपर्क भी बढ़े हैं। क्या पाकिस्तान अब इस्लामी देशों के नए सुरक्षा नेटवर्क के जरिये भारत पर दबाव बनाने की तैयारी में है? पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये की अगुवाई वाले मक्का रक्षा गठबंधन में बांग्लादेश भी शामिल होने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है। ढाका में तमाम मंत्रियों ने ऐसे बयान दिए हैं, जिनसे इसके पुख्ता संकेत मिलते हैं कि बांग्लादेश मक्का रक्षा गठबंधन में शामिल होने की तैयारी कर रहा है। यह साफतौर पर देखा जा सकता है कि ऑपरेशन सिंदूर में पिटने के बाद पाकिस्तान ने अपने रणनीतिक विकल्पों का विस्तार करने की नीति अपनाई है। इधर सोमवार को इस्तांबुल में मुस्लिम नाटो देशों की पहली अहम बैठक में गठबंधन को संस्थागत ढांचा देने पर सहमति बनी। इस बैठक में अन्य मित्र देशों को गठबंधन से जोड़ने का रोडमैप बनाने का फैसला भी हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद आई तेजी : ऑपरेशन सिंदूर के बाद ढाका और इस्लामाबाद के बीच सैन्य और सुरक्षा संपर्कों में उल्लेखनीय तेजी आई है। दोनों देशों की सेनाओं और खुफिया तंत्र के बीच बनी नजदीकी एक बड़े बहुपक्षीय सुरक्षा ढांचे की ओर बढ़ती दिख रही है। मई 2025 के बाद दोनों देशों के बीच कम से कम 7 प्रमुख सैन्य और सैन्य-खुफिया स्तर के संपर्क सामने आए हैं। अगस्त 2025 में बांग्लादेश के लेफ्टिनेंट जनरल एमडी फैजुर रहमान ने रावलपिंडी में पाकिस्तान के ज्वाइंट चीफ्स चेयरमैन जनरल साहिर शमशाद मिर्जा से मुलाकात की, अक्तूबर में पाकिस्तानी सैन्य प्रतिनिधिमंडल ने ढाका में तीनों सेना प्रमुखों के साथ बैठकें कीं, नवंबर में दोनों देशों की सेनाओं के बीच आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ वार्ता की शुरुआत हुई। जनवरी 2026 में बांग्लादेशी वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल हसन महमूद खान पाकिस्तान गए, जेएफ-17 विमान, साइडर कमांड और एयरोस्पेस पार्क का दौरा किया।

- **बयानों में छिपे संकेत** 20 अगस्त : तत्कालीन विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर ने कहा कि ढाका का विकल्प खुला है।
- 24 अगस्त : विदेश राज्य मंत्री बने कबीर ने कहा कि वह मक्का रक्षा समझौते को सकारात्मक रूप से देख रहे हैं।
- 27 अगस्त : विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने संसद में कहा कि बांग्लादेश इस पर सकारात्मक विचार करेगा।
- 29 अगस्त : कानून मंत्री एम असदुज्जमान ने कहा कि- भारत अपने हिसाब से चलेगा और बांग्लादेश अपने हिसाब से।
- 30 अगस्त : हुमायूं कबीर ने फिर कहा कि मक्का गठबंधन में शामिल होने में कोई जोखिम नहीं दिखता।

भारत की चिंता बढ़ा रही नजदीकी

भारत के लिए मुख्य चिंता रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच गहरे होते संबंध हैं। यदि बांग्लादेश मक्का रक्षा समझौते में शामिल होता है,

नोएल टाटा को बड़ी राहत: 37 साल पुराने सौदे में क्लीन चिट, 833 शेयरों के ट्रांसफर पर क्यों उठे थे सवाल?

नोएल टाटा को 37 साल पुराने 833 शेयरों के ट्रांसफर मामले में बड़ी राहत मिली है। महाराष्ट्र के चैरिटी कमिश्नर ने शिकायत खारिज कर दी और सौदे को उस समय के नियमों के मुताबिक सही माना। आखिर इस पुराने सौदे पर सवाल क्यों उठे थे और अब जांच की जरूरत क्यों नहीं मानी गई? पढ़िए रिपोर्टटाटा संस और टाटा ट्रस्ट में चल रही खींचतान के बीच नोएल टाटा को कानूनी राहत मिली है। महाराष्ट्र के चैरिटी कमिश्नर ने उन्हें 1989 के शेयर ट्रांसफर मामले में क्लीन चिट दी है। मामला नवाजबाई रतन टाटा ट्रस्ट (एनआरटीटी) द्वारा 833 शेयरों के ट्रांसफर से जुड़ा था।चैरिटी कमिश्नर ने ट्रस्टी विजय सिंह की शिकायत खारिज कर दी। सिंह ने सौदे की स्वतंत्र जांच की मांग की थी। कमिश्नर ने आदेश में कहा कि शेयर ट्रांसफर तत्कालीन कानूनी प्रावधानों के तहत किया गया था। इसलिए इसमें आगे की जांच की जरूरत नहीं है। क्लीन चिट मिलने पर ट्रस्ट ने आरोपों को निराधार बताया। ट्रस्ट ने कहा, यह संस्थान की साख को नुकसान पहुंचाने का अभियान था।

विजय का आचरण अशोभनीय : कमिश्नर ने विजय के रवैये पर गंभीर सवाल उठाए। सिंह 8 जून को बोर्ड बैठक में शामिल हुए थे। इसमें ट्रस्ट का पक्ष रखने का प्रस्ताव पारित हुआ, पर 10 जून को उन्होंने गुपचुप अपनी अलग शिकायत दर्ज करा दी। चैरिटी कमिश्नर ने उनके इस आचरण को एनआरटीटी के ट्रस्टी के रूप में अशोभनीय बताया। नानी ए. पालकीवाला ने इस्तीफे के एक साल बाद शेयर खरीदने पर रोक न होने की बात कही थी। शेयरों का मूल्यांकन वेल्थ टैक्स कमिश्नर की सहमति से हुआ और एनआरटीटी को शुद्ध वित्तीय लाभ मिला।

इन आधार पर मिली क्लीन चिट

कमिश्नर ने दस्तावेज की पड़ताल कर 37 साल पुराना सौदा नियमों के तहत पाया। शेयरों की बिक्री उस समय के वैधानिक कर नियमों की बाध्यताओं के तहत जरूरी थी। नवल नोएल टाटा ने 1 जनवरी 1988 को ट्रस्टी पद से इस्तीफा दिया था।

घर बनाना हुआ महंगा: एनसीआर में जमीन के दाम 130% बढ़े, निर्माण लागत भी बढ़ी; किस बजट में मिलेगा फ्लैट?

अब 40 से 60 लाख रुपये के बजट में अपना आशियाना खरीदना क्यों मुश्किल होता जा रहा है? देश के सात बड़े शहरों में जमीन से लेकर निर्माण सामग्री तक महंगी हुई है। एनसीआर में जमीन के दाम 130% तक बढ़ चुके हैं। ऊपर से अमेरिका-ईरान तनाव ने निर्माण लागत पर भी दबाव बढ़ाया है। ऐसे में नए प्रोजेक्ट्स में फ्लैट की कीमतें और कितनी बढ़ सकती हैं, पढ़िए रिपोर्ट।देश के सात बड़े शहरों में आम आदमी के लिए 40 से 60 लाख रुपये के बजट में अपने घर का सपना पूरा करना अब मुश्किल हो गया है। रियल एस्टेट रिसर्च फर्म एनारॉक के ताजा आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं। पिछले पांच वर्षों (2021 से 2025) के दौरान देश में घर बनाने की वास्तविक लागत जहां 34 फीसदी बढ़ी है, वहीं इसी अवधि में फ्लैट्स की बिक्री कीमतें 59 फीसदी की भारी छलांग लगाकर और अंतिम बिक्री मूल्य के बीच यह 25 फीसदी का भारी अंतर साफ बता रहा है कि बिल्डरों ने किफायती घरों से मुंह मोड़ लिया है, और मध्यम वर्ग को उस महंगी जमीन की कीमत चुकानी पड़ रही है जिसका निर्माण लागत से कोई सीधा लेना-देना नहीं है।गाकर औसतन 9,260 रुपये प्रति वर्ग फुट के पार निकल चुकी हैं।

आसमां छूती जमीन की कीमतें

घर बनाने की बुनियादी लागत में जमीन की कीमत शामिल नहीं होती। एनारॉक के अनुसार, 2021 से 2026 तक प्रमुख सात शहरों में जमीन की कीमतें 50% से 120% (8-15% सालाना) तक बढ़ चुकी हैं।

एनारॉक के आंकड़ों के मुताबिक, घरों की कीमतों में आई कुल बढ़ोतरी का 66 फीसदी हिस्सा तो सीधे तौर पर निर्माण सामग्री से जुड़ा है, लेकिन बाकी 34 फीसदी हिस्सा बाहरी दबावों का नतीजा है, जिसमें सबसे बड़ा योगदान जमीन के अनियंत्रित भाव और बिल्डरों के बढ़ते मार्जिन का है।

दिल्ली-एनसीआर में जमीन के भाव 70 से 130% तक जबकि बंगलूरू में 60 से 120% तक उछले हैं। बिल्डर जिस महंगी जमीन का अधिग्रहण करते हैं, उसका पूरा वित्तीय बोझ अंततः फ्लैट खरीदने वाले आम खरीदार की जेब पर डाल दिया जाता है।पिछले कुछ महीनों में पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान तनाव और युद्ध जैसे हालात ने निर्माण लागत में 8 से 10 फीसदी का इलाफा हुआ है

अल नीनो और सूखे का असर: इंडोनेशिया में घटेगा पाम तेल उत्पादन; क्या भारत में बढ़ेंगी कीमतें?

इंडोनेशिया में अल नीनो और सूखे से पाम तेल का उत्पादन 50 लाख टन तक घटने का अनुमान है। ऊपर से बी50 नीति से घरेलू खपत बढ़ने वाली है। ऐसे में वैश्विक बाजार में आपूर्ति घट सकती है और भारत की चिंता बढ़ सकती है। क्या इसका असर आपकी रसोई के तेल के दाम पर भी पड़ेगा? पढ़िए रिपोर्टइंडोनेशियाई पाम ऑयल एसोसिएशन (गैपकी)ने चेतावनी दी है कि अल-नीनो और सूखे के चलते इंडोनेशिया में क्रूड पाम तेल (सीपीओ) उत्पादन में 50 लाख टन तक की भारी गिरावट आ सकती है। इसका असर अगले साल की शुरुआत से ही वैश्विक आपूर्ति शृंखला पर साफ दिखने लगेगा। इंडोनेशिया में एक तरफ मौसम की मार से फसल पर खतरा है, तो दूसरी तरफ राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के नेतृत्व में सरकार डीजल आयात घटाने के लिए पाम-आधारित बायोडीजल की ब्लेंडिंग 40 फीसदी (बी40) से बढ़ाकर 50 फीसदी (बी50) करने जा रही है।

गैपकी के चेयरमैन एडी मार्टोनो के अनुसार, देश में कुल 5.3 करोड़ टन उत्पादन का अनुमान है लेकिन बी50 नीति लागू होने से अकेले बायोडीजल के लिए 1.63 से 1.70 करोड़ टन पाम तेल की खपत घरेलू स्तर पर ही हो जाएगी। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में जाने वाले निर्यात मात्रा में भारी कटौती होगी यानी वैश्विक बाजार के लिए पाम तेल की उपलब्धता तेजी से घटेगी।

अन्य तेलों पर भी दिखेगा असर : पाम तेल दुनिया का सबसे सस्ता खाद्य तेल है। जब पाम तेल महंगा होता है, तो मांग तुरंत सोयाबीन और घरेलू सरसों तेल की तरफ शिफ्ट होती है। नतीजतन, सरसों और रिफाइंड तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं।

भारत में कितना असर पड़ेगा?

भारत अपनी खाद्य तेल जरूरतों का लगभग 55 से 60 फीसदी हिस्सा आयात करता है, जिसमें सबसे बड़ा हिस्सा (सालाना करीब 90-100 लाख टन) पाम तेल का होता है। भारत अपनी पाम तेल की जरूरतें मुख्य रूप से दो ही देशों, इंडोनेशिया और मलेशिया, से पूरी करता है। यदि इंडोनेशिया में निर्यात घटता है और साथ ही दूसरे बड़े उत्पादक मलेशिया में भी अल-नीनो के कारण फसल कमजोर होती है, तो भारत पर इसका असर गंभीर होगा। सरकार ने कहा कि देश में खाद्य तेल पर चिंता की कोई बात नहीं है। बाजार में 14-15 लाख टन खाद्य तेल का स्टॉक है, जो करीब डेढ़ महीने की घरेलू मांग पूरी करने के लिए पर्याप्त है। सितंबर से सोयाबीन और मूंगफली की नई फसल की आवक शुरू होने की उम्मीद है।

भारत की जीडीपी वृद्धि 2.6% या 7.8%?: विश्व बैंक के निदेशक ने क्या बताया, कम वृद्धि दर के दावे का जानिए सच

15वें वित्त आयोग के चेयरमैन एनके सिंह ने जीडीपी डाटा की नई सीरीज का समर्थन किया। उन्होंने कहा, यह देश के आर्थिक ढांचे में आए बड़े बदलावों, खासकर सर्विस सेक्टर के तेजी से विस्तार को दिखाता है।

जीडीपी दर 2.6 फीसदी बताना बौद्धिक बेईमानी

पीएम की आर्थिक सलाहकार परिषद और 16वें वित्त आयोग के सदस्य सौम्य कांति घोष ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7.8% के बजाय 2.6% होने के दावों को सिरे से खारिज करते हुए इसे बौद्धिक बेईमानी करार दिया। घोष ने कहा, यदि कोई वास्तव में पिछले वर्ष की पहली तिमाही के गैर-संशोधित बेस पर मौजूदा नॉमिनल जीडीपी आंकड़ों की तुलना करना चाहता है, तो उसे 80.4 लाख करोड़ के मुकाबले 88.3 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को ध्यान में रखना चाहिए। इससे विकास दर 9.7% निकलकर आएगी और इस नॉमिनल वृद्धि के साथ भी वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.4% रहेगी।

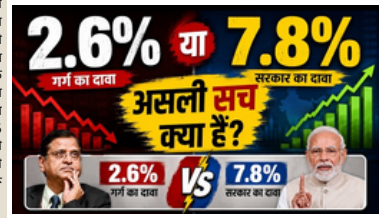

भारत की जीडीपी वृद्धि दर 2.6% रहने के दावे पर सवाल उठे हैं। विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशक नीलकंठ मिश्र ने इस पर स्थिति साफ की है। उन्होंने नई जीडीपी सीरीज और कारों, टैक्स कलेक्शन व क्रेडिट ग्रोथ जैसे आंकड़ों का हवाला दिया। आखिर 2.6% और 7.8% के दावों में सच क्या है? पढ़िए रिपोर्ट विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशक (ईडी) नीलकंठ मिश्र ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7.8% के बजाय 2.6% रहने के दावों को सिरे से खारिज करते हुए इसे अल्पज्ञान करार दिया। उन्होंने कहा, ऐसे निराधार दावों को चर्चा ही आश्चर्यजनक है। यह विवाद पूर्व वित्त सचिव एससी गर्ग की तरफ से आंकड़ों पर सवाल उठाए जाने के बाद शुरू हुआ था। गर्ग का दावा था कि पिछले वर्ष के जीडीपी आंकड़ों में संशोधन न होता तो विकास दर काफी कम होती। हालांकि, नीलकंठ ने कहा कि फरवरी 2026 में आई नई सीरीज से डाटा अधिक पारदर्शी हुआ है। अर्थव्यवस्था के कई अन्य आंकड़े भी शानदार तेजी की गवाही दे रहे हैं। अगस्त के दौरान कारों और एसयूवी की बिक्री में 35%, दोपहिया में 20% से अधिक व कमर्शियल वाहनों में 40% से ज्यादा की मजबूत वृद्धि हुई। टैक्स कलेक्शन और क्रेडिट ग्रोथ में भी सुधार है।

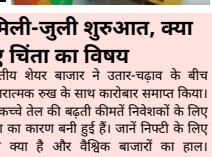

सोने-चांदी में कमजोरी: दिल्ली में 2700 रुपये टूटा सोना, पांच दिनों में ₹8,900 की गिरावट, जानिए अब आगे क्या

दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 2,700 रुपये लुढ़क कर 1.58 लाख रुपये के स्तर पर आया। पांच दिन में 8,900 रुपये की भारी गिरावट। जानिए पीएम मोदी की अपील और अमेरिकी फेड की नीति का सोने पर असर।वैश्विक बाजारों में आई भारी बिकवाली और घरेलू मोर्चे पर बदले घटनाक्रमों के बीच मंगलवार को भारतीय सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोने की कीमत लगातार पांचवें दिन गिरते हुए 1.58 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गई। केवल एक दिन में सोने के भाव में 2,700 रुपये प्रति 10 ग्राम की भारी कटौती दर्ज की गई है। पांच दिनों से जारी इस गिरावट ने निवेशकों और आभूषण खरीदारों के बीच हलचल मचा दी है। वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने सर्राफा बाजार पर दबाव बढ़ा दिया है, इसके चलते घरेलू बाजार में यह हालिया हफ्तों के निचले स्तर पर पहुंच गया है। सोने की कीमतों में जारी यह गिरावट केवल एक दिन की कहानी नहीं है, बल्कि पिछले पांच सत्रों से यह लगातार नीचे की ओर फिसल रहा है। इस बड़ी गिरावट ने अल्पावधि के निवेशकों के मुनाफे को काफी हद तक घटा दिया है

आज सोने और चांदी के भाव में कितनी बड़ी गिरावट आई है?

स्थानीय सर्राफा डीलरों और कारोबारियों के अनुसार, मंगलवार को दिल्ली में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 2,700 रुपये गिरकर 1,58,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर बंद हुई। यह सोने का लगभग दो सप्ताह का निचला स्तर है। इससे पहले सोमवार को सोना 1,60,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। दिलचस्प बात यह है कि सोना ठीक इसी तरह के निचले स्तर पर पिछले महीने 19 अगस्त को देखा गया था, जब इसकी कीमत 1,58,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई थी।केवल सोना ही नहीं, बल्कि चांदी की चमक भी आज फीकी पड़ गई है। दिल्ली के सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम की भारी गिरावट के साथ 2,40,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर आ गई। सोमवार को चांदी बिना किसी उतार-चढ़ाव के 2,45,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

द बोनस मार्केट अपडेट: भारतीय बाजार की मिली-जुली शुरुआत, क्या कच्चे तेल की कीमतें निवेशकों के लिए चिंता का विषय

विश्लेषकों का कहना है कि निफ्टी के लिए शुक्रवार के उच्चतम स्तर और 50-दिवसीय ईएमए (लगभग 24,190) से ऊपर लगातार बढ़ोतरी महत्वपूर्ण है। यह बढ़ोतरी आगामी सत्रों में निफ्टी को 24,300-24,350 के क्षेत्र की ओर वापसी को बढ़ावा दे सकती है। वहीं, गिरावट की स्थिति में, यदि निफ्टी साप्ताहिक निचले स्तर 24,076 से नीचे टूटता है, तो निकट अवधि का दृष्टिकोण कमजोर हो सकता है। यह स्तर बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण समर्थन बिंदु है।टोक्यो समय के अनुसार दोपहर 12:09 बजे तक एसएंडपी 500 वायदा में थोड़ा बदलाव देखा गया। निक्केई 225 वायदा (ओएसी) में 0.4 फीसदी की गिरावट आई, जबकि जापान का टॉपिक्स 0.5 फीसदी बढ़ा। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.3 फीसदी गिरा। हांगकांग का हैंग सेंग 1.1 फीसदी और शंघाई कंपोजिट 0.2 फीसदी नीचे रहे। यूरो स्टॉक्स 50 वायदा में भी 0.2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें लगातार 85 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं। यह बढ़ती कीमतें वैश्विक अर्थव्यवस्था और कंपनियों के लाभ पर दबाव डाल सकती हैं।

भारतीय शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव के बीच सकारात्मक रुख के साथ कारोबार समाप्त किया। ब्रेंट कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें निवेशकों के लिए चिंता का कारण बनी हुई हैं। जानें निफ्टी के लिए आगे क्या है और वैश्विक बाजारों का हाल। भारतीय शेयर बाजार ने पिछले शुक्रवार को उतार-चढ़ाव भरे दायरे में कारोबार किया। हालांकि, बाजार दिन के उच्चतम स्तर के करीब सकारात्मक क्षेत्र में बंद होने में सफल रहा। निवेशकों के लिए ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें 85 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रहना एक मुख्य चिंता का विषय है, जिससे बाजार की धारणा सतर्क बनी हुई है।आज, 1 सितंबर 2026 को सुबह 9:30 बजे, भारतीय बाजार में सेंसेक्स 76,952.08 पर खुला। इसमें पिछले बंद के मुकाबले 5.19 अंकों की मामूली गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी भी 24,065.05 पर खुला, जो 15.36 अंक नीचे था। घरेलू विकास में मजबूती, राजकोषीय घाटे पर नियंत्रण और पोर्टफोलियो से संबंधित निवेश प्रवाह के चलते मंगलवार सुबह रुपया 26 पैसे बढ़कर 94.96 प्रति अमेरिकी डॉलर पर कारोबार कर रहा था।ऊर्जा लागत में वृद्धि से महंगाई बढ़ने की आशंका रहती है। इससे केंद्रीय बैंकों पर ब्याज दरें बढ़ाने का दबाव भी बना रह सकता है।

ट्रेटर्स 2 फाइनल: क्रिस्टल-रिदा के धोखे से टूटा शालिनी पासी का भरोसा बोलीं- दोनों अच्छी वैम्प बन सकती हैं

Shalini Passi The Traitors 2 Finale: शो 'द ट्रेटर्स 2' में क्रिस्टल डिसूजा और रिदा थराना विजेता बनी हैं। शालिनी पासी इस दौड़ में पीछे रह गईं। 'द ट्रेटर्स 2' से बाहर होने के बाद शालिनी पासी ने अमर उजाला से बातचीत में क्रिस्टल डिसूजा और रिदा थराना के बारे में बात की है। 'द ट्रेटर्स 2' के फिनाले में शालिनी पासी अंतिम तीन तक पहुंचीं, लेकिन जीत से ठीक पहले उनका खेल खत्म हो गया। इससे भी बड़ा झटका उन्हें तब लगा, जब क्रिस्टल डिसूजा और रिदा थराना ने अपनी असली पहचान बताई। जिन दोनों पर शालिनी पूरे खेल में भरोसा करती रहीं, वे ही गद्दार निकलीं। खास बात यह है कि रिदा कभी खुद गद्दारों को पकड़ने की कोशिश कर रही थीं, जबकि क्रिस्टल पहले दिन से ही गद्दार बनकर शालिनी और बाकी खिलाड़ियों के बीच मौजूद थीं। रिदा शुरुआत में गद्दारों को पकड़ने की कोशिश कर रही थीं और कुल्लू और शाहनील गिल पर शक जताकर उन्हें बाहर करने में अहम भूमिका निभाई। लेकिन बाद में खेल पलटा। क्रिस्टल, जो पहले दिन से गद्दार थीं, ने रिदा को अपनी टीम में शामिल कर लिया। इसके बाद दोनों ने साथ मिलकर खेल को आगे बढ़ाया। शालिनी को आखिरी वक्त तक क्रिस्टल और रिदा पर भरोसा रहा। आखिरी तीन में पहुंचने के बाद रिदा ने शालिनी का नाम लिखा और क्रिस्टल ने भी उन्हें वोट दिया। शालिनी का खेल खत्म होते ही दोनों ने अपनी गद्दार वाली पहचान सामने रख दी। शो से बाहर होने के बाद शालिनी ने क्रिस्टल और रिदा पर अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा, 'मैंने इन पर विश्वास किया, ये मेरी गलती है। आप कभी भी झूठ की बुनियाद पर बड़ी चीज खड़ी नहीं कर सकते। क्या ही बोलूं, मैंने दोनों को बचाया और इन दोनों ने, खैर। जिंदगी उन्हें सबक सिखाएगी। उन्होंने अपनी चतुराई से मेरा भरोसा जीता और फिर ये खेल खेला। जिंदगी में अगर ये आगे भी ऐसा ही करेंगी, तो लोग इन्हें इसी बात के लिए जानेंगे कि ये झूठी हैं।'

दोनों अच्छी वैम्प बन सकती हैं'

क्रिस्टल और रिदा के खेल पर तंज कसते हुए शालिनी ने कहा, 'दोनों लड़कियां फिल्मों में अच्छी नेगेटिव रोल कर सकती हैं। दोनों अच्छी वैम्प बन सकती हैं। मैं उनके लिए खुश हूं, उनके लिए अच्छा है।'

कृष्ण की लीला दर्शाती सात मशहूर फिल्में और शोज

सर्वदमन बनर्जी से लेकर अक्षय कुमार तक आए नजर

Krishna Janmashtami Films: भगवान श्री कृष्ण की भक्ति उनके जन्मोत्सव पर भक्तों के सर चढ़ कर बोल रही है। इसी भक्ति पर बनी कई फिल्में दर्शकों के दिलों में खास जगह रखती है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दिन भक्त भगवान के उस नटखट रूप को याद करते हैं जब वह गोकुल में थे। ऐसी कई फिल्में और खासतौर पर कई एनिमेटेड शोज बने जिनमें कहीं न कहीं बाल गोपाल की महिमा को दिखाया गया है। आज जन्माष्टमी के मौके पर जानिए ऐसी सात फिल्मों और शोज के बारे में जिनके जरिए कृष्ण की लीलाएं परदे पर दिखाई गईं।

श्री कृष्णा'

नब्बे के दशक में सीरियल 'श्री कृष्णा' घर-घर में मशहूर था। इस सीरियल का निर्देशन रामानंद सागर और मोती सागर ने किया था। यह कार्यक्रम दूरदर्शन पर प्रसारित होता था। सीरियल की कास्ट में सर्वदमन डी बैनर्जी, पिंकी पारेख, रेशमा मोदी मुख्य किरदारों में थे।

राधाकृष्ण'

राधा रानी और श्री कृष्ण का प्रेम संसार के लिए प्रतीक है। मगर राधा से प्रेम में भगवान कृष्ण का मंत्रमुग्ध होना और फिर उनसे बिछड़ जाने पर वियोग की पीड़ा सहना। यह सब 2018 में प्रसारित हुए सीरियल 'राधाकृष्ण' में दिखाया गया है।

2008 में कलर्स टीवी में 'जय श्री कृष्णा' सीरियल टेलीकास्ट हुआ। इस सीरियल में कृष्ण के बचपन की लीलाएं दिखाई गई हैं। सीरियल को दर्शकों ने काफी प्यार दिया था, एपिसोड में श्री कृष्ण का किरदार धृति भाटिया ने निभाया था। वहीं किशोरअवस्था के कृष्ण का किरदार मेघन जाधव ने किया था।

लिटिल कृष्ण एक एनिमेटिड मूवी है जो 2009 में रिलीज हुई थी। यह फिल्म श्रील प्रभुपाद की पुस्तक 'कृष्ण, सर्वोच्च व्यक्तित्व' पर आधारित हुआ। यह कॉर्टून निकलोडियन चैनल पर प्रसारि किया गया था। भारत की पहली स्टीरियोस्कोपिक एनिमेटेड फिल्म के रूप में सराही गई 'कृष्ण और कंस' एक्शन और ड्रामा से भरपूर एक रोमांचक कहानी है। यह फिल्म कृष्ण के शुरुआती जीवन को दर्शाती है। उनके जन्म से लेकर उनके अत्याचारी मामा कंस के शत्रु बनने तक।बॉलीवुड की मशहूर फिल्म 'ओह माय गॉड' 2012 में रिलीज हुई थी।

जन्माष्टमी: 'वो किसना है' से लेकर 'मैया यशोदा' तक इन गानों के बिना अधूरा है भगवान कृष्ण का त्योहार

Janmashtami Songs: हर त्योहार की तरह बॉलीवुड ने जन्माष्टमी पर भी बेहतरीन गाने बनाए हैं। इस खबर में हम आपको जन्माष्टमी पर सबसे ज्यादा बजाए जाने वाले गानों के बारे में बता रहे हैं। पूरे देश में जन्माष्टमी की धूम है। इस मौके पर देशभर के मंदिरों को सजाया जाता है। दही हांडी का कार्यक्रम किया जाता है। इस दौरान बॉलीवुड के कई मशहूर गाने बजते हैं। ऐसे में हम आपके लिए बॉलीवुड के वो गाने लाए हैं, जो भगवान कृष्ण के इस त्योहार के मजे को कई गुना बढ़ा देंगे। विवेक ओबेरॉय और ईशा शरवानी पर फिल्माया गया ये गाना हर जन्माष्टमी पर लोगों की जुबान पर आ जाता है। इस गाने को सुखविंदर सिंह, एस शैलजा और आयशा दरबार ने आवाज दी है। इसके बोल जावेद अख्तर ने लिखा है।

मैया यशोदा- हम साथ-साथ हैं

सलमान खान स्टारर फिल्म 'हम साथ साथ हैं' सुपरहिट रही ही थी। इस फिल्म के गाने भी काफी मशहूर हुऐ थे। इस फिल्म में एक गाना 'मैया यशोदा' था, जो जन्माष्टमी की थीम पर था। यह गाना आज भी दर्शकों को खूब पसंद आता है।

गो गो गोविंदा- ओ माय गॉड

इस गाने में प्रभु देवा और सोनाक्षी सिन्हा ने शानदार डांस किया है। इस गाने में दही हांडी के दृश्य हैं। यह गाना जन्माष्टमी के लिए एकदम परफेक्ट है। इस गाने को श्रेया घोषाल और अमन त्रिखा ने आवाज दी है।

चांदी की डाल पर सोने का मोर- हैलो ब्रदर

सलमान खान और रानी मुखर्जी की अदाकारी वाली फिल्म 'हैलो ब्रदर' को खूब पसंद किया गया। इस फिल्म के गाने 'चांदी की डाल पर सोने का मोर' में दही हांडी वाला दृश्य आता है। जन्माष्टमी के मौके पर यह गाना खूब बजाया जाता है।

मोहे रंग दे लाल- बाजीराव मस्तानी

इस गाने पर दीपिका पादुकोण ने अभिनय करके इसमें चार चांद लगा दिए। सिद्धार्थ गरिमा की कलम से निकले इस गाने को जन्माष्टमी पर खूब सुना जाता है। इसे बिरजू महाराज और श्रेया घोषाल ने आवाज दी है। जन्माष्टमी पर कुछ और गाने

इन गानों के आलावा जन्माष्टमी पर जो गाने सबसे ज्यादा सुने जाते हैं उनमें ये गाने भी शामिल हैं...

- राधा कैसे ना जले.
- गोविंदा आला रे आल..

ऋषि कपूर जन्मतिथि: प्रेम में डूबे आशिक से माफिया डॉन तक इन दमदार किरदारों से दर्शकों के दिल में उतरे चिंटू जी

Rishi Kapoor Birth Anniversary: दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर की आज 04 सितंबर को बर्थ एनिवर्सरी है। उन्होंने परदे पर अलग-अलग भूमिकाएं प्रभावशाली अंदाज में निभाईं। जानिए उनके 10 दमदार किरदारों के बारे में अपने जमाने में चॉकलेटी हीरो के रूप में लोकप्रिय रहे ऋषि कपूर का जन्म 4 सितंबर 1952 में मुंबई के चेंबूर में हुआ। यूं तो तीन वर्ष की उम्र में उनकी झलक पहली बार पर्दे पर दिखी थी। फिर, 1970 में आई 'मेरा नाम जोकर' में उन्होंने अपने पिता राज कपूर का बचपन का किरदार निभाया। बतौर हीरो ऋषि ने 1973 में सिनेमा की दुनिया में कदम रखा। अपनी अभिनय यात्रा में उन्होंने अधिकांश रोल रोमांटिक हीरो वाले किए। मगर, कुछ हटकर किरदार भी निभाए। जानिए किन किरदारों से वे दर्शकों के दिलों दिमाग पर हमेशा छाए रहे? यह ऋषि कपूर की डेब्यू फिल्म थी। साल 1973 में आई इस फिल्म में वे एक मासूम प्रेमी की भूमिका में नजर आए थे। इस फिल्म से ऋषि कपूर के साथ डिंपल कपाड़िया ने भी बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था। दर्शकों को आज भी ऋषि कपूर का 'बॉबी' वाला किरदार याद है। 'बॉबी' एक जबरदस्त हिट साबित हुई। कहा जाता है राज कपूर ने कर्ज से बाहर आने के लिए ऋषि कपूर को 'बॉबी' से लॉन्च किया था।

राज कपूर फिल्म 'मेरा नाम जोकर' लेकर आए थे। यह फिल्म उस वक्त नहीं चल पाई जिससे वो कर्जदार बन गए थे लेकिन 'बॉबी' की सफलता से उनके दिन फिर आए। ऋषि कपूर को अपनी पहली फिल्म 'बॉबी' के लिए फिल्मफेयर की ओर से बेस्ट डेब्यू एक्टर का अवॉर्ड मिला था।

ऋषि कपूर की यह फिल्म साल 1976 में आई थी। इस फिल्म में ऋषि कपूर ने मजनू की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म से उन्हें एक अलग पहचान मिली। साल 1976 में आई 'लैला मजनू' सुपरहिट फिल्मों में से एक थी। ऋषि कपूर को आज भी उनकी फिल्म 'अमर अकबर एंथनी' के लिए लोग याद करते हैं

केबीसी 18: क्या है सैफ अली खान और अमिताभ बच्चन में रिश्ता?केबीसी के नए एपिसोड में बिग बी ने किया खुलासा

Saif Ali Khan And Akshay in kbc : 'कौन बनेगा करोड़पति' के हालिया एपिसोड में सैफ अली खान और अक्षय कुमार शिरकत करने पहुंचे। जहां अमिताभ बच्चन ने अपने और सैफ अली खान के परिवारिक रिश्तों के बारे में बताया। जानें क्या बोले बिग बी? चर्चित गेम शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में सैफ अली खान और अक्षय कुमार हाल ही में प्रतिभागी बनकर पहुंचे। इसी दौरान शो के होस्ट अमिताभ बच्चन ने सैफ और बच्चन परिवार के आपसी संबंधों के बारे में खुलासा किया।

क्या है बच्चन और पटौदी परिवार में रिश्ता?

फिल्म 'हैवान' की स्टार कास्ट सैफ अली खान और अक्षय कुमार कौन बनेगा करोड़पति के एपिसोड में हिस्सा लेने पहुंचे। शो के प्रोमो के अनुसार एपिसोड में अमिताभ बच्चन ने अपने और सैफ के रिश्ते के बारे में बताया। इसे सुनकर सैफ थोड़ी देर के लिए चौंक गए। उन्होंने बिग बी से पूछा कि उनके बीच कौन सा रिश्ता है? अभिनेता अमिताभ बच्चन ने कहा, 'राज कपूर की बेटी, रितु के बेटे निखिल की शादी मेरी बेटी श्वेता से हुई है। श्वेता बच्चन की शादी निखिल नंदा से हुई है, जो राज कपूर की बेटी रितु नंदा के बेटे हैं। राज कपूर, करीना कपूर के दादा भी हैं, इस लिहाज से निखिल नंदा और करीना कपूर चचेरे भाई-बहन हैं। सैफ अली खान की शादी करीना कपूर से हुई है, इसलिए शादी के जरिए उनका बच्चन परिवार से संबंध है।'

अमिताभ ने पूछा यह सवाल?

इस प्रोमो में एक मजेदार किस्से भी हुआ । करीना संग अपना रिश्ता बताने के बाद अमिताभ ने कहा कि अब अब क्योंकि रिश्तेदारी सामने आ चुकी है, तो अब उन्हें करीना को क्या कह कर बुलाना चाहिए?

- फिल्म 'हैवान' के जरिए अक्षय और सैफ अली खान करीब 18 साल बाद एक साथ पर्दे पर नजर आएंगे।

Aaj ka Rashifal 04 September

तुला और धनु राशि वालों की आर्थिक स्थिति सुधरेगी, मिल सकता है लाभ

4 सितंबर 2026 का आज का राशिफल आपके लिए कैसा रहेगा? जानें मेष, कर्क, सिंह, कन्या, कुंभ और मकर राशि वालों के करियर, धन, प्रेम और सेहत से जुड़े आज के राशिफल की खास भविष्यवाणी।

Today Horoscope: 4 सितंबर 2026 का दिन सभी राशियों के लिए कई नए अवसर और चुनौतियां लेकर आ सकता है। ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति का असर आपके करियर, कारोबार, आर्थिक स्थिति, प्रेम संबंधों और पारिवारिक जीवन पर देखने को मिल सकता है। कुछ राशि वालों को काम में सफलता और धन लाभ के संकेत मिल सकते हैं, तो कुछ लोगों को महत्वपूर्ण फैसले लेते समय सावधानी बरतने की जरूरत होगी। अगर आप जानना चाहते हैं कि 4 सितंबर 2026 को आपका दिन कैसा रहेगा, आज किन कामों में सफलता मिल सकती है, धन लाभ के क्या योग हैं, प्रेम और पारिवारिक जीवन कैसा रहेगा और किन मामलों में सावधानी बरतनी होगी, तो पढ़ें आज का राशिफल। यहां जानें आज की भविष्यवाणी, शुभ संकेत।

मेष

आज भागदौड़ और जिम्मेदारियों के बीच तनाव थोड़ा थका सकता है, लेकिन धैर्य ही आपको संभाले रखेगा। किसी पुराने रोग की परेशानी दोबारा उभर सकती है, इसलिए सेहत को नजरअंदाज करना ठीक नहीं होगा। नया वाहन खरीदने का विचार है तो हर पहलू अच्छी तरह जांच लें। दूसरों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से नुकसान हो सकता है। परिवार से किया कोई वादा आज निभाना आपकी प्राथमिकता बन सकता है।

वृषभ

आज का दिन खुशियों, मौज-मस्ती और नई शुरुआत की खूबसूरत वजहें लेकर आएगा। आपकी रचनात्मक सोच लोगों का ध्यान खींचेगी और नए लोगों से दोस्ती भी हो सकती है। हालांकि, बढ़ते खर्च बजट को थोड़ा परेशान कर सकते हैं, इसलिए खर्च सोच-समझकर करें। अविवाहित लोगों के जीवन में प्यार की नई दस्तक दिल को खुश कर सकती है। परिवार में किसी सदस्य को नई नौकरी मिलने से घर का माहौल उत्सव जैसा हो जाएगा।

मिथुन

आज आपकी वाणी ही आपकी ताकत भी बनेगी और परीक्षा भी ले सकती है। किसी सामाजिक कार्यक्रम में कही गई बात का गलत अर्थ निकाला जा सकता है, इसलिए बोलने से पहले अच्छी तरह सोचें। ऑनलाइन खरीदारी करते समय विशेष सावधानी रखें। प्रॉपर्टी से जुड़े किसी भी फैसले में जल्दबाजी न करें और जरूरी जांच पूरी करें। मन बार-बार भटक सकता है, इसलिए अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखने की कोशिश करें।

कर्क

आज सुख-सुविधाओं और पारिवारिक खुशियों में बढ़ोतरी के संकेत हैं। परिवार के लोग आपकी उम्मीदों पर खरे उतरेंगे और दूर रहने वाले किसी रिश्तेदार से शुभ समाचार मिल सकता है। मेहनत का फल मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। हालांकि, पुराने लेन-देन का कोई मामला थोड़ी चिंता दे सकता है। घर में नया वाहन खरीदने या किसी बड़ी सुविधा को जोड़ने की योजना बन सकती है, जिससे परिवार में उत्साह बढ़ेगा।

सिंह

आज किस्मत आपका साथ देती नजर आ सकती है और मनचाहा लाभ मिलने की उम्मीद है। फिर भी सेहत को लेकर लापरवाही न करें। विद्यार्थियों के लिए अनुशासन बनाए रखना जरूरी रहेगा। आपकी अच्छाई को कुछ लोग गलत समझ सकते हैं, लेकिन दूसरों की राय को अपने रास्ते की बाधा न बनने दें। पूजा-पाठ या आध्यात्मिक गतिविधियों से मन को शांति मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग आपका आत्मविश्वास बढ़ाएगा और आर्थिक परेशानियां भी धीरे-धीरे कम हो सकती हैं।

कन्या

आज मन में चल रही उलझनों को मां के साथ साझा करने से आपको भावनात्मक राहत मिल सकती है। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतें और जल्दबाजी से बचें। जीवनसाथी के लिए खरीदी गई कोई खास चीज रिश्ते में प्यार और अपनापन बढ़ाएगी। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों की पहचान मजबूत हो सकती है। परिवार आपकी खुशी के लिए कोई ऐसा सरप्राइज प्लान कर सकता है, जिसकी आपको बिल्कुल उम्मीद न हो।

तुला

आज घर-परिवार में खुशी और शुभ कार्यों का माहौल बना रहेगा। आपकी मेहनत आखिरकार रंग लाएगी और रुका हुआ धन वापस मिलने से मन को राहत मिलेगी। विरोधी परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन आपकी समझदारी उनके इरादों को सफल नहीं होने देगी। छोटे बच्चों की कोई प्यारी फरमाइश चेहरे पर मुस्कान ला सकती है। कुल मिलाकर दिन सकारात्मक रहेगा और परिवार के साथ बिताए पल खास महसूस होंगे।

वृश्चिक

आज आपके दिमाग में कुछ ऐसे नए विचार आ सकते हैं जो कारोबार के लिए काफी फायदेमंद साबित हों। विदेश से जुड़े व्यापार में अच्छी खबर मिलने की संभावना है। नए लोगों से मुलाकात भविष्य में किसी बड़े अवसर का रास्ता खोल सकती है। पिताजी की कोई बात थोड़ी चुभ सकती है, लेकिन संयम बनाए रखना बेहतर होगा। लंबे समय से खोई हुई कोई प्रिय वस्तु अचानक मिल जाए तो दिन की खुशी दोगुनी हो सकती है।

धनु

आज का दिन थोड़ा मिला-जुला रहेगा। जीवनसाथी किसी बात से नाराज हो सकते हैं, इसलिए बहस के बजाय प्यार और समझदारी से बात करना बेहतर होगा। आय से जुड़े मामलों में सावधानी रखें। विद्यार्थियों को मानसिक दबाव से राहत मिलेगी और शिक्षकों का सहयोग पढ़ाई को आसान बनाएगा। मन की कोई बड़ी इच्छा पूरी होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। घर में पूजा या किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन भी हो सकता है।

मकर

आज सकारात्मक बदलाव आपकी जिंदगी में नई ऊर्जा भर सकते हैं। संतान की ओर से कोई खुशखबरी मिल सकती है, जिससे परिवार में खुशी बढ़ेगी। आपकी मेहनत पुराने और अटके हुए कामों को पूरा कराने में मदद करेगी। जीवनशैली में सुधार लाने की कोशिश भी सफल होती नजर आएगी। सेहत को लेकर लापरवाही न करें। परिवार में नए मेहमान का आगमन खुशियां ला सकता है, वहीं जीवनसाथी के साथ बिताए प्यार भरे पल रिश्ते में नई गर्माहट भरेंगे।

कुंभ

आज का दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव वाला रह सकता है, इसलिए हर स्थिति में संतुलन बनाए रखें। यात्रा या घूमने के दौरान कोई ऐसी महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है जो आगे आपके बहुत काम आए। कार्यक्षेत्र में विवाद की स्थिति बन सकती है, लेकिन शांत रहकर बात संभालना आपके हित में रहेगा। माता-पिता का आशीर्वाद लेकर शुरू किया गया काम सफलता की ओर बढ़ सकता है। घर के लिए कोई नया इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने की योजना भी बन सकती है।

मीन

आज कारोबार में कुछ चुनौतियां सामने आएंगी, लेकिन धैर्य और सही रणनीति से रास्ता जरूर निकलेगा। किसी की सलाह को बिना सोचे-समझे मानने के बजाय अपनी समझ से फैसला लें। सरकारी काम पूरे कराने में अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ सकती है। वैवाहिक जीवन में एक-दूसरे को समय और समझ देना जरूरी रहेगा। पुराने दोस्त से अचानक मुलाकात पुरानी यादें ताजा कर मन खुश कर सकती है। पिता की सेहत को लेकर चिंता हो सकती है, इसलिए उनकी देखभाल और जरूरी जांच को प्राथमिकता दें।

Aaj Ka Love Rashifal

कर्क और तुला राशि वालों की लव लाइफ में बढ़ेगा रोमांस, पार्टनर से मिलेगा खास तोहफा

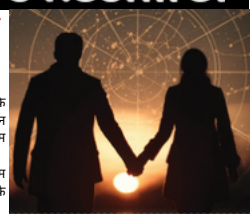

4 सितंबर 2026 का लव राशिफल जानें और समझें कि आज प्यार, रिश्तों और रोमांस के मामले में आपका दिन कैसा रहेगा। सभी 12 राशियों के लिए पढ़ें आज की प्रेम भविष्यवाणी।

Love Rashifal Today: 4 सितंबर 2026 को प्रेम और रिश्तों के मामले में ग्रहों की स्थिति कई राशियों के लिए खास संकेत दे सकती है।

किसी के रिश्ते में प्यार और विश्वास बढ़ सकता है, तो किसी को पार्टनर के साथ गलतफहमी दूर करने का मौका मिलेगा। सिंगल लोगों के लिए भी आज का दिन खास हो सकता है और किसी नए व्यक्ति से मुलाकात रिश्ते की शुरुआत का कारण बन सकती है। वहीं शादीशुदा और प्रेम संबंधों में रहने वाले लोगों को बातचीत और आपसी समझ पर ध्यान देना होगा। आइए जानते हैं मेष से मीन राशि तक सभी 12 राशियों का आज का लव राशिफल और प्रेम जीवन से जुड़े खास संकेत।

Janmashtami 2026: 15 साल बाद जन्माष्टमी पर जयंती योग, जानें पूजा का खास महत्व, शुभ मुहूर्त

Janmashtami 2026: इस साल श्रीकृष्ण जन्माष्टमी 4 सितंबर को मनाई जाएगी। खास बात यह है कि अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र का विशेष संयोग बन रहा है, जिसे धार्मिक मान्यताओं में बेहद शुभ माना जाता है। जानें जयंती योग का महत्व और पूजा का शुभ मुहूर्त।

Janmashtami 2026: भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का पर्व जन्माष्टमी इस वर्ष विशेष संयोग के साथ मनाया जाएगा।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मध्यरात्रि में रोहिणी नक्षत्र के दौरान हुआ था। यही वजह है कि जन्माष्टमी पर अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र का संयोग बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। साल 2026 में जन्माष्टमी 4 सितंबर, शुक्रवार को मनाई जाएगी। इस दिन भक्त व्रत रखेंगे और मध्यरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करेंगे।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी कब है?

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी 4 सितंबर 2026, शुक्रवार को मनाई जाएगी। जन्माष्टमी की मुख्य पूजा मध्यरात्रि के निशीथ काल में करने की परंपरा है। पंचांग गणना के अनुसार इस दिन अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र का विशेष संयोग बन रहा है। इसी कारण 2026 की जन्माष्टमी को धार्मिक दृष्टि से खास माना जा रहा है।

15 साल बाद क्यों खास है जन्माष्टमी का यह संयोग?

जन्माष्टमी पर अष्टमी तिथि के साथ रोहिणी नक्षत्र का मिलना भगवान श्रीकृष्ण के जन्मकाल से जुड़ी मान्यता के कारण विशेष महत्व रखता है। धार्मिक और ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, वर्ष 2026 में ऐसा संयोग बनने से इस जन्माष्टमी को विशेष बताया जा रहा है। इसी संदर्भ में इसे जयंती योग से भी जोड़ा जा रहा है। हालांकि अलग-अलग पंचांगों और ज्योतिषीय गणनाओं में इस योग की व्याख्या अलग हो सकती है। इसलिए धार्मिक अनुष्ठान के लिए अपने क्षेत्र के पंचांग को प्राथमिकता देना उचित माना जाता है।

क्या है जयंती योग?

जन्माष्टमी के संदर्भ में जयंती योग का संबंध अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र के विशेष संयोग से माना जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण का प्राकट्य मध्यरात्रि में अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र के दौरान हुआ था। इसलिए जन्माष्टमी पर जब इन दोनों का संयोग बनता है, तो इसे विशेष शुभ माना जाता है।

जन्माष्टमी शुभ मुहूर्त

जन्माष्टमी की पूजा के लिए निशीथ काल सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। 2026 में पूजा का समय शहर के अनुसार अलग-अलग हो सकता है। निशीथ पूजा का समय लगभग रात 11:58 बजे से 12:44 बजे तक रहेगा। मध्यरात्रि का क्षण करीब 12:21 बजे माना जा रहा है। अन्य शहरों में सूर्योदय, सूर्यास्त और स्थानीय पंचांग की गणना के कारण समय में अंतर हो सकता है।

अंक ज्योतिष 04 सितंबर: मूलांक 4 और 8 को रहना होगा सावधान, सोच-समझकर लें फैसले

4 सितंबर 2026 का अंक ज्योतिष आपके लिए कैसा रहेगा? जानें मूलांक 1 से 9 तक के जातकों के लिए आज करियर, धन, प्रेम और सेहत से जुड़े खास संकेत। मूलांक के आधार पर व्यक्ति के स्वभाव, सोच, कार्यक्षमता और जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं का आकलन किया जाता है। किसी व्यक्ति का मूलांक उसकी जन्म तारीख के अंकों के योग से निकाला जाता है।उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति का जन्म 23 तारीख को हुआ है, तो 2+3=5 होगा और उसका मूलांक 5 माना जाएगा। इसी तरह 14 तारीख को जन्मे व्यक्ति का मूलांक 1+4=5 होगा। वहीं पूरी जन्मतिथि के अंकों का योग करके भाग्यांक निकाला जाता है। जैसे यदि जन्मतिथि 22-04-1996 है, तो 2+2+0+4+1+9+9+6=33 और 3+3=6, यानी भाग्यांक 6 होगा।

दैनिक अंक ज्योतिष के जरिए आप अपने मूलांक के अनुसार दिन की संभावनाओं को समझ सकते हैं। इससे आपको यह जानने में मदद मिल सकती है कि आज किन क्षेत्रों में सफलता के अवसर बन सकते हैं

जन्माष्टमी पर बनेंगे कई शुभ योग, इन 5 राशियों को करियर और धन के मामले में मिलेगा फायदा

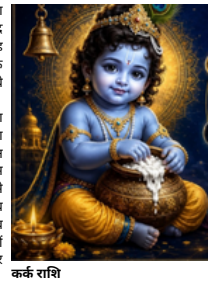

Janmashtami 2026 Rashifal: इस बार कृष्ण जन्माष्टमी पर ग्रहों का खास संयोग कुछ राशियों के लिए बेहद शुभ माना जा रहा है। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, इस ग्रह स्थिति से 5 राशियों के जातकों को धन, करियर और भाग्य के मामले में लाभ मिल सकता है। आइए जानते हैं कौन-सी हैं ये भाग्यशाली राशियां।

Janmashtami Lucky Zodiac Signs: श्रीकृष्ण जन्माष्टमी इस बार ग्रहों और नक्षत्रों की खास स्थिति के कारण ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस दिन रोहिणी नक्षत्र के साथ हर्षण और सर्वार्थ सिद्धि योग का शुभ संयोग बन रहा है। वहीं, चंद्रमा के वृषभ राशि में स्थित होने से इस ग्रह स्थिति का महत्व और बढ़ जाता है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, इन शुभ संयोगों का सकारात्मक प्रभाव कुछ राशियों पर विशेष रूप से पड़ सकता है। ऐसे में 5 राशियों के जातकों के लिए जन्माष्टमी का यह पर्व धन, सफलता और सौभाग्य के नए अवसर लेकर आ सकता है।

वृषभ राशि

जन्माष्टमी पर बन रहे शुभ ग्रह संयोग वृषभ राशि के जातकों के लिए आर्थिक रूप से सकारात्मक रह सकते हैं। लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलने की संभावना है। नौकरीपेशा लोगों को करियर में आगे बढ़ने के नए मौके मिल सकते हैं, वहीं कारोबारियों के लिए भी मुनाफे के अवसर बन सकते हैं। आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे मजबूती आने के संकेत हैं।

कर्क राशि

कर्क राशि वालों के लिए यह समय मानसिक सुकून और पारिवारिक खुशियां लेकर आ सकता है। लंबे समय से बना तनाव कम होने और मन को शांति मिलने की संभावना है। नौकरी करने वालों के लिए परिस्थितियां अनुकूल रह सकती हैं और काम में स्थिरता महसूस होगी। परिवार के सदस्यों के साथ संबंधों में मधुरता बढ़ सकती है और घर का माहौल बेहतर रहेगा।

श्री चरणी का कमाल: एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक

टी20 विकेट लेने वाली दूसरी भारतीय पूनम को पीछे छोड़ने का मौका

एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक टी20 विकेट

खिलाड़ी	विकेट	वर्ष
पूनम यादव	35	2018
श्री चरणी	31*	2026
दीप्ति शर्मा	30	2024
दीप्ति शर्मा	29	2022
राधा यादव	29	2024

भारतीय महिला टीम की गेंदबाज श्री चरणी ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम दर्ज कर ली है। श्री चरणी एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने वाली दूसरी भारतीय महिला गेंदबाज बन गई हैं। भारतीय महिला टीम की गेंदबाज श्री चरणी ने इस साल टी20 क्रिकेट में दमदार प्रदर्शन किया है। श्री चरणी एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने वाली दूसरी भारतीय महिला गेंदबाज बन गई हैं। श्री चरणी ने हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ महिला एशिया कप के मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया और दो विकेट झटके। श्री चरणी इस तरह इस साल अब तक 31 टी20 विकेट ले चुकी हैं। महिला एशिया कप 2026 के सातवें मुकाबले में भारत ने हॉन्गकॉन्ग को 137 रन से हरा दिया है। भारत ने हॉन्गकॉन्ग के सामने 194 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में हॉन्गकॉन्ग की टीम 16.2 ओवर में 56 रन पर सिमट गई। टीम इंडिया ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 193 रन बनाए थे। स्मृति मंधाना ने 64 गेंद में 14 चौके और सात छक्के की मदद से 124 रन की पारी खेली। हॉन्गकॉन्ग ने भारत के खिलाफ टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। इस जीत के साथ टीम इंडिया महिला एशिया कप के नॉकआउट यानी सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। अब उनका सामना ग्रुप स्टेज में ही पाकिस्तान से पांच सितंबर को होगा। हालांकि, यह महज एक औपचारिक मैच होगा। 137 रन से जीत टीम इंडिया की टी20 अंतरराष्ट्रीय में दूसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले 2018 में भारत ने मलयेशिया के खिलाफ 142 रन से जीत दर्ज की थी। श्री चरणी महिला क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने वाली भारतीय गेंदबाज बन सकती हैं। फिलहाल ये रिकॉर्ड पूनम यादव के नाम है जिन्होंने 2018 में 35 टी20 विकेट लिए थे। अगर श्री चरणी इस साल पांच विकेट और ले लेती हैं

अभिषेक शर्मा का जन्मदिन: चार साल की उम्र में थामा बल्ला युवराज के मार्गदर्शन ने बदली जिंदगी सपना किया साकार

भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का आज जन्मदिन है। बीसीसीआई ने अभिषेक को इस मौके पर बधाई दी है। आइए जानते हैं अभिषेक शर्मा किस तरह युवराज सिंह के मार्गदर्शन में आगे बढ़े और राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने में सफल रहे। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज अभिषेक शर्मा किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। अभिषेक की गिनती विश्व के सबसे तूफानी सलामी बल्लेबाजों में की जाती है। महज 25 साल की उम्र में ही अभिषेक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई बड़े मुकाम हासिल कर चुके हैं। अभिषेक का जन्म चार सितंबर 2000 को पंजाब के अमृतसर में हुआ। अभिषेक के पिता राजकुमार शर्मा खुद क्रिकेटर बनना चाहते थे। यही वजह थी कि शुरुआत से ही घर में क्रिकेट से जुड़े उपकरण हमेशा मौजूद रहे। पिता को देखकर अभिषेक को भी क्रिकेट से धीरे-धीरे लगाव होने लगा। महज चार साल की उम्र में अभिषेक अपने पिता का बल्ला उठाने का प्रयास किया करते थे, जिसके बाद उनके लिए पिता एक प्लास्टिक का बैट लेकर आए। बचपन में ही अभिषेक खूब अभ्यास किया करते थे। वह अपनी मां-बहनों से खुद को गेंदबाजी करने के लिए कहा करते थे। अभिषेक ने जल्द ही इस खेल में अपना करियर बनाने का फैसला कर लिया। अभिषेक के पिता भारत के लिए नहीं खेल सके, लेकिन वह चाहते थे कि उनका बेटा टीम इंडिया की जर्सी में जरूर खेले। पिता के सपने को अभिषेक ने अपनी जिंदगी का मकसद बना लिया। महज 16 साल की उम्र में पंजाब की ओर से खेलते हुए अंडर-16 स्तर पर अभिषेक ने एक सीजन में 1200 रन बनाए और 57 विकेट निकालने में भी सफल रहे, जिसके चलते उन्हें बीसीसीआई का नमन पुरस्कार भी दिया गया। इसके बाद अभिषेक ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। साल 2017 में उन्होंने पंजाब के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपना डेब्यू किया। अभिषेक साल 2018 में अंडर-19 विश्व कप का खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा भी रहे।

महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट: मंधाना ने तोड़ा महान मिताली का बड़ा रिकॉर्ड सबसे ज्यादा शतक भी अब स्मृति के नाम

स्मृति मंधाना ने महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। मंधाना के नाम अब 10,889 रन हैं और उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज को पीछे छोड़ दिया है। मिताली ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 10,868 रन बनाए थे। भारतीय महिला क्रिकेट की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। मंधाना महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं। उन्होंने इस मामले में भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज को पीछे छोड़ दिया है। भारत ने महिला एशिया कप में मंधाना की शतक की बदौलत हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ 20 ओवर में पांच विकेट पर 193 रन बनाए।

मंधाना का शतक

मंधाना ने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 36वां अर्धशतक लगाया। उन्होंने छक्का मारकर अर्धशतक पूरा किया था। हालांकि, इसके लिए उन्होंने 40 गेंदें लीं थीं। हालांकि, इसके बाद मंधाना ने सीधे चौथी गीयर में बल्लेबाजी की। उन्होंने अगले 50 रन के लिए केवल 17 गेंदें लीं। मंधाना ने 57 गेंद में टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का दूसरा शतक लगाया। स्मृति मंधाना ने 64 गेंद में 14 चौके और सात छक्के की मदद से 124 रन की पारी खेली। वह रन आउट हुईं।

महान मिताली राज का कौन सा रिकॉर्ड टूटा?

मंधाना के नाम अब महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10,880 रन हो गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने मिताली राज के 10,868 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। मिताली लंबे समय तक इस सूची में शीर्ष पर थीं और भारतीय महिला क्रिकेट की सबसे सफल बल्लेबाजों में शामिल रही हैं। मिताली के बाद इस लिस्ट में सूजी बेट्स, शार्लोट एडवर्ड्स और स्टेफनी टेलर जैसी दिग्गज बल्लेबाज हैं।

मिताली राज के संन्यास के बाद अब मंधाना भारतीय महिला क्रिकेट की बल्लेबाजी की सबसे बड़ी स्टार के रूप में लगातार नए मुकाम हासिल कर रही हैं। स्मृति मंधाना ने सिर्फ मिताली का रिकॉर्ड नहीं तोड़ा, बल्कि महिला क्रिकेट में भारतीय बल्लेबाजी के एक नए युग की शुरुआत का संकेत भी दिया है।

भारत की महिला टीम की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब तक तीन शतक दर्ज किए गए हैं। स्मृति मंधाना ने इस सूची में दो बार अपना नाम दर्ज कराया है। उन्होंने 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में 112 रन की शानदार पारी खेली थी। हालांकि, मंधाना की 124 रन की पारी भारतीय महिला खिलाड़ी की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। वहीं हरमनप्रीत कौर ने 2018 टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ 103 रन की पारी खेलकर यह उपलब्धि हासिल की थी। स्मृति मंधाना ने महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में भी नया रिकॉर्ड बना लिया है।

महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन

खिलाड़ी	देश	कुल रन
स्मृति मंधाना	भारत	10,880
मिताली राज	भारत	10,868
सूजी बेट्स	न्यूजीलैंड	10,740
शार्लोट एडवर्ड्स	इंग्लैंड	10,273
स्टेफनी टेलर	वेस्टइंडीज	10,005

उनके नाम अब 18 अंतरराष्ट्रीय शतक हो गए हैं। वह इस सूची में ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग और दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट से आगे निकल गई हैं। ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग और दक्षिण अफ्रीका की स्टार बल्लेबाज एल वोल्वार्ड्ट 17-17 शतकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज 15 शतकों के साथ चौथे और न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स तथा इंग्लैंड की टैमी ब्यूमोंट 14-14 शतकों के साथ संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर हैं।

महिला T20I में भारत के लिए सबसे ज्यादा छक्के

स्मृति मंधाना ने हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ दुबई में खेली अपनी शानदार पारी के दौरान सात छक्के लगाए। इसके साथ ही उन्होंने भारत की महिला टीम के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। मंधाना के नाम अब इस फॉर्मेट में 95 छक्के हैं, जबकि हरमनप्रीत कौर ने 89 छक्के लगाए हैं। स्मृति मंधाना ने महिला टी20 एशिया कप के इतिहास में सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने 2026 में दुबई में हांगकांग के खिलाफ नाबाद 120 रन बनाए, जो इस टूर्नामेंट में अब तक का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है।

कोहली ने बनवाया एक और टैटू: विराट का वीडियो सोशल मीडिया पर हो रहा वायरल विंडीज सीरीज से पहले किया बदलाव

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह नया टैटू बनवाते दिख रहे हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले कोहली का नया टैटू फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया है। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अपने स्टाइलिश अंदाज और फिटनेस के साथ-साथ टैटू प्रेम के लिए भी जाने जाते हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से ठीक पहले विराट कोहली का एक नया टैटू चर्चा का विषय बन गया है। सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो और कुछ तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं, जिसमें वह टैटू बनवाते हुए नजर आ रहे हैं। मुंबई के स्टूडियो में दिखा नया बदलावरिपोर्ट्स के मुताबिक, विराट कोहली को मुंबई के एक मशहूर टैटू स्टूडियो (Aliens Tattoo) में देखा गया, जहां वह अपने बाएं हाथ पर नया टैटू बनवा रहे हैं। उनके इस नए डिजाइन में पानी की बूंद गिरने पर बनने वाली लहर (Ripple Design) जैसी कलाकृति नजर आ रही है। हालांकि अभी यह टैटू पूरी तरह से पूरा नहीं हुआ है और इसके कई सेशन चल चुके हैं, लेकिन इसकी झलक सामने आते ही फैंस के बीच यह चर्चा का केंद्र बन गया है।

फैंस में उत्साह विराट कोहली की बॉडी पर पहले से ही कई टैटू मौजूद हैं, जो उनके जीवन के अलग-अलग पहलुओं और संघर्षों को दर्शाते हैं। अब इस नए टैटू के जुड़ने से उनके फैंस में इसे लेकर काफी उत्सुकता है। वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली आगामी सीरीज से पहले कोहली का यह नया लुक और उनका बदला हुआ अंदाज सोशल मीडिया पर छाया हुआ है जब से यह तस्वीर सामने आई है, तब से इंटरनेट पर तेजी से शेयर की जा रही है। फैंस इस पर तरह-तरह के कमेंट्स कर रहे हैं और कपल को बधाइयां दे रहे हैं। ऋचा और अली के चाहने वाले इस प्यारी सी तस्वीर पर जमकर अपना प्यार बरसा रहे हैं। बता दें कि ऋचा चड्ढा और अली फजल ने इसी साल सितंबर में अपनी बेटी का स्वागत किया था। तब से लेकर अब तक यह जोड़ा अपनी पेरेंटहुड जर्नी को बेहद खूबसूरती से एन्जॉय कर रहा है। काम के मोर्चे पर भी दोनों जल्द ही नए प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाले हैं, लेकिन फिलहाल उनकी फैमिली लाइफ से जुड़ी ये अपडेट चर्चा का विषय बनी हुई है। बॉलीवुड के पॉपुलर कपल ऋचा चड्ढा और अली फजल अक्सर अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहते हैं

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300